

REGISTE

प्राधिकार **से प्रकाशित** PUBLISHED **8Y AUTHORIT**

सं० 46]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15, 1980 (कार्तिक 24, 1902)

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15, 1980 (KARTIKA 24, 1902)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक ९ श्रवनुबर 1980/

सं० ए० 32015/1/80-प्रणा०-II—सिंचव, संघ लोक सेवा ध्रायोग द्वारा द्वारा संघलोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में स्थायी ध्रनुसंधान महायक (ग्र० व० सा०) ध्रौर स्थानापन्न ध्रनुसंधान ध्रन्वेषक श्री राम सिंह को श्रीमती राजकुमारी ध्रानन्द, कनिष्ठ अनुसंधान ध्रधिकारी (ग्र० एवं० सा०) को ध्रवकाण स्वीकृत किए जाने के कारण उनके स्थान पर 3-10-1980 से 31-12-1980 तक की ध्रवधि के लिए ध्रथवा ध्रागामी ध्रादेणों नक, जो भी पहले हो, ब्रायोग के कार्यालय में कनिष्ठ ध्रनुसंधान ग्रधिकारी (ध्र० एवं० सा०) के पद पर तदर्थ घ्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32016/3/80-प्रशा०- (1)--सिवय, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री श्रो० पी० सूद, श्रन्वेपक को 22-9-80 1-32601/80 में 6-11-80 तक की भ्रविध के लिए भ्रथवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रधीक्षक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ग्रधीक्षक (त० सं०) के पद पर श्री ग्रो० पी० सूद की नियुक्ति पूर्णनः तदर्थ ग्रौर ग्रस्थायी है ग्रौर उक्त ग्रेड में विलयन का ग्रथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 10 श्रमतूबर 1980

सं० ए० 32014/4/80-प्र०- — सिचव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस कार्यालय के स्थायी सम्पदा पर्यवेक्षक श्री श्रार० पी० सिंह को, 16-10-1980 से तीन माम की श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर

सम्पदा प्रबंधक एवं बैठक श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यं करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० राणा श्रनुभाग श्रधिकारी कृते सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जून 1980

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा श्रायोग के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रथा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

ऋ० नाम सं०	पदोन्नति की श्रवधि	शाखा जहां तैनात किया गया
1. श्री बी० सुन्दरेसन	10-6-80 से 1-8-80 तक	सेवा II
2. श्रीधनीश चन्द्र	1 0- 6- 8 0 से 3 0- 6- 8 0 तक	भर्ती नियम

2. उपर्युक्त श्रिष्ठिकारियों को कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11-12-75 की शतीं के श्रनुसार २० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्रदान किया जाएगा।

दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1980

सं० ए० 32011/1/80 प्रकार I(1)—गृह मंद्रालय के कार कार सं० 7/6/79-सीर एसर II दिनांक 19 जुलाई, 1980 के प्रनुसरण में संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, जो लम्बी प्रविध के के प्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, उन्हें 19-7-1980 से वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (केर सर स्टेर का ग्रेड -ख) की चयन सूची मे सम्मिलित किया गया है।

- 1. श्री बी० बी० छिज्बर
- 2. श्री तरसेम सिंह (ध्र० जा०)

के नियमावली, 1969 की छठी अनुसूची के पैरा 3 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के दारा ग्रायोजित सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए वरिष्ठ वैयक्तिक 'सहायकों के साथ साथ ही सूची में उनकी वरिष्ठता विक्किरित की जाएगी।

> एस० बालचन्त्रन उप सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रक्तुबर 1980

सं० 9 श्रार० सी० टी० 21—निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग एतद्द्वारा श्री मांगे लाल, स्थाई सहायक को 15 शक्तूबर, 1980 से 12 जनवरी 1981 तक या श्रगले श्रादेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से श्रनुभागी श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता भ्रवर सचिय **इन्ते** निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग) लाल बहादुर शास्त्री रास्ट्रीय प्रकाशन अकादमी, मसूरी । मसूरी, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1980

सं० 2/46/75-स्थापना—इस कार्यलय की श्रधिसूचना सं० 2/46/75-स्थापना दिनांक 17/19 श्रप्रैल, 1980 को जारी रखते हुए, निदेशक महोदय श्री कैलाशचन्त्र सक्सेना की नियुक्ति पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-10-80 से श्रागामी छ: मास के लिए या किसी नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पूर्व हो, तदर्थ रूप में सहर्ष बढ़ाते हैं।

के रंगराजन उप निदेशक (वरिष्ठ)

मसूरी, दिनांक 24 अक्तूबर 1980

सं० 7/2/73-स्थापना—श्री के० रघुनाथ, स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी, मसूरी को लेखा ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 1-7-80 से स्थाई किया जाता है।

्एम० पी० सिंह, सहायक निदेशक

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001 दिनांक 16 श्रक्तूबर 1980

स० ग्रो० दो० 1443/79-स्थापना—महानिदेणक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर राजसिंह को 7-6-80 के पूर्वाह्न से 29-7-80 पूर्वाह्न तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

दिनांक

सं० 7(52)/7564—इस कार्यालय के श्रिधिसूचना क्रमांक ए० डी०/4/3743 दिनांक 27-6-80 के क्रम में श्री पी० के० शर्मा की लेखा श्रिधिकारी के पद पर की गई तद्वर्थ न्युक्ति की श्रवधि 29/11/80 या अब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाता, इनमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1980

सं० सी० ए० I/23-70—सदस्य लेखा परीक्षा बोई एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री ए० बी० लाल लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यक) श्रपनी श्रधिवार्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-7-79 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

ग्रार० के० मेहरा, सहायक निवेशक (वा०)

कार्यालय, महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1980

सं० प्रशा० II/बी० म्रिधिसूचना/1138—महालेखाकार राजस्थान ने श्री जगन्नाथ डेम्बला, म्रनुभाग म्रिधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 6-10-80 (पूर्वाह्न) से म्रग्नसर म्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> जी० सी० श्रीवास्त**य** वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्नक

नई दिल्ली-22, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1980

सं० 18483-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेत्रा से दिया गया श्री प्रभु दयाल मीना का त्याग पत्न दिनांक 30 श्रप्रैल, 1980 (श्रपराह्न) से सहर्प रवीकार करते हैं।

दिनाक 24 ग्रम्तूबर 1980

सं० 18411/प्रणा०-I--58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री इकवान चन्द, श्राई० डी० ए० एस०, रक्षा लेखा सहायक महानियंद्रक (लेखा-परीक्षा) को दिनांक 30-4-1981 (प्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को प्रन्तरित कर दिया जाएगा भौर तदनुसार वे दिनांक 30-4-1981 (प्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नही रहेगे। सी० वी० नागेन्द्र,

रक्षा श्रेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, धायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 अस्तूबर 1980 भ्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/80-प्रमा० (राज०)/6093—राष्ट्रपति, श्री जे० एस० सहोटा, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के श्रनुभाग ग्रिष्टाकारी वर्ग के स्थायी ग्रिष्ठकारी ग्रीर नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई विल्ली में 1 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म) से 3 मास की ग्रविश्व के लिए, उसी सेवा के वर्ग "1" में ग्रीर उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ग "I" में श्रौर उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में श्री जे० एस० सहोटा की उपर्युक्त नियुक्ति, उच्चतम न्यायालय श्रौर दिल्ली उच्च न्यायालय में निलम्बित रिट याचिका पर निर्णयो के श्रधीन है जिसमें श्री थामस मैथ्यू श्रौर दो श्रन्य बनाम भारत संघ ारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1980 की रिट याचिका सं० 511 भी शामिल है।

> जे० पी० शर्मा, उप मुख्य नियंत्रक, फु**ते** मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात।

उद्योग मंत्रालय

(श्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास अध्युरत (लगु उचीग) का कर्षात्रय

नई दिल्ली, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1980

संग्रु० 19018/508/80 प्रणा० (राज०)—-दाद्यांत ति, भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेष्ट-3 अधिकारी क्षी एत्र० अत्रुठ ऐस० विल् की, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम में उर्धावदेशक के पद पर प्रतिनिधुक्ति तथा श्रवकाश में लौटने पर, १८ तक 15 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से अगने श्रादेणः वक्ष क विल् विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्तो क कार्यालय में उप निदेशक (श्राधिक श्रन्वेषण) के पद पर नियुक्त करते है।

महेन्द्र पाल कुरा उप निदेशक (अमा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रक्तू बर 1980

मं० प्र०-6/247(270)—-राष्ट्रपति सहायक निदेशक निरीक्षण (धानु-रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० की धानु-रसायन शाखा के ग्रेड II) श्री एम० पी० चौधरी को दिनांक 8 सिनम्बर 1980 (पूर्वाह्म) से छह मास की अवधि के लिए नदर्थ श्राधार पर उपनिदशक निरीक्षण (धानु-रसायन) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० की धातु-रसायन शाखा के ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते है।

2. श्री एम० पी० चौधरी ने 6-9-80 (श्रपराह्म) को उप निरोक्षण निदेशक (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरोक्षण (धातु-रसायन) का पदभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 8-9-80 के पूर्वाह्म से निरोक्षण निदेशक वर्णपुर के कार्यालय में उप निदेशक (धातु-रसायन) का पदभार सम्भाल निया।

पी० डी० मेठ उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनाक 25 भ्रम्तूबर 1980

मं ० ए ० - 1/42 (41)/4 — - राष्ट्रपति, श्री पी ० एस० ग्लेड उप निदेणक को दिनाक 30-3-1971 से सहायक निदेशक के ग्रेड (ग्रड-I) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-III) में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण किशोर उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून दिनाक 25 धक्तूबर 1980

सं० स्था०-1/5667/1117-एल० पी० ग्रा र०--भारत के महासर्वेक्षक श्री सी० एस० सक्सेना स्थापना एवं लेखा ग्राधकारी मानचित्र प्रकाशन कार्यालय भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून को सेवा काल की समाप्ति पर दिनांक 30 सितम्बर 1980 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सहर्प सं् निवृत्त करते है।

> इकबाल सिट्की मेजर इंजीनियर्स सहायक महासर्वेक्षक ।

ग्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनग्र 21 ग्रन्तुबर 1980

सं० 10/103/61-एस०को०---महानिदेशक॰ श्राकाशवाणी॰ एतददारा श्री जी० सी० सेन, लेखाकार, श्राकाशवाणी, सिलचर को 29-9-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ थ्राधार पर प्रशासनिक स्रिधकारी स्नाकाणवाणी सिलचर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते है।

एस० वी० सेषादि उपनिदेशक प्रशासन, हते महानिदेशक।

्व।स्थ्य सेवा महानिदेशालय नईदिल्ली दिनांक, 23 स्रक्तुबर 1980

संव एवं 19019/25/77 (अवाव् संस्थाव पोव)/प्रशाव — भारत सरकार अत्यन्त खद के साथ यह घोषणा करती है कि जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान पाण्डिचरी में जीव विज्ञान के प्रोफैसर डाव एसव एसव बासु का 27 अप्रैल 1980 को निधन हो गया।

मं ० ए० 35017/180 (मुख्या०) प्रणासन-1---राष्ट्रपति ने मैम्बर ग्राडिट बोर्ड तथा कामरणियल ग्राडिट के पदेन निदेशक के कार्यालय के एक ग्राडिट ग्रधिकारी (वाणिज्य) श्री ग्रो० पी० गोविल को 1 श्रवत्वर 1980 की पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादणों नक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक लेखा (स्टोर्म) के पद पर प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर नियुक्त किया है।

2 श्रीजे०पी० रस्तोगी उप निदेशक लेखा (स्टोस)स्वास्थ्य मेबा महानिदेशालय नर्ज दिल्ली जो कामरणियल श्राडिट के निदेशक कार्यालय से प्रतिनिधुक्ति पर थे 30 सितम्बर 1980 की ग्रपराह्न को लेबा निबृत्ति की श्रीयु के हो जाने उर सरकारी सेबा से निबृत्त हो गये।

> णाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

ग्रागीण पुनित्तमीण भंत्रालय विषणन एतं निरीक्षण निदेणालय करीदाबाद दिनाक, 25 श्रक्तूबर, 1980

सं० 19025/55/80-प्र०-III--संघ लोक सेवा धायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री गुण्प्रीत सिंह सोढ़ी. को इस निदेशालय के श्रधीन बम्बर्ड में तारीख 15-9-80 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रधिकारी (वर्ग-III) नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र

बम्बई -400085, दिनांक 20 भ्रगस्त 1980

सं० पी० ए०/79 (11)/79-म्रार०-4—परमाणु ऊर्जा विभाग के संपदा प्रबन्ध निवेशालय से स्थानान्तरित होने पर, संपदा प्रबन्ध निदेगालय के स्थामी सहायक प्रशासन प्रधिकारी श्री नागेश पुरुषोत्तम खंडेपारकर ने, भाषा परमाणु धनुसंधान केन्द्र में दिनांक 5 ध्रगस्स, 1980 (पूर्वाह्म) से महायक कार्मिक ग्रिधिकारी पद का पदभार संभाल लिया है।

दिनांक 13 भक्तूबर 1980

मं० बी० ए० भार० सी०/हाँस्पि०/सी०/66—समर्थ प्राधिकारी डां० (श्रीमती) पूर्णिमा के कृष्णामूर्ति को इस श्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 29 सितंबर 1980 पूर्वीह्न से 29 श्रक्तूबर 1980 भाराह्न तक,पूर्णतः श्रस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा भधिकारी नियक्त करते है।

ए० एस० दीक्षित, उपस्थापना स्थिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500016, दिनांक 24 भक्तूबर, 1980

सं० पख प्र0-2/2954/79-प्रणासन—श्री मोहन श्रीराम भागवत द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रधान में वैज्ञानिक ग्रिधिकारी ग्रेड एस० बी० के ग्रस्थायी पद से दिया गया त्याग पत्र परमाणु खनिज प्रधाग के निदेशक द्वारा 13 ग्रक्त्बर, 1980 ग्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासनएवं लेखा श्र**धिकारी**

अन्तरिक्ष विभाग शार केन्द्र

आहर्रिकोटा दिनांक 14 अक्तूबर 1980

मं ० एस० सी० एफ० का भौर सा० प्र० स्थाप०-1-72—श्री पो० ब्रुष्ण तुलसी को इजी नियर एस० बी० के पद पर 19-7-80 में नया अगले आदेश होने तक स्थानापस्न क्षमता के रूप में जार केंद्र, श्रीहरिकोटा में नियुक्ति होने के लिए जार केंद्र के निदेशक ने अपनी प्रसन्नना प्रकट की है।

श्री हरिकोटा सामान्य मुविधाएं कार्मिक श्रोर सामान्य प्रशासन प्रभाग

थ्रो हिरिकोटा-524124, 14 अक्तू **बर** 1980

निम्नाकित कर्म वारियों को पदोन्नति में इंजीनियर एस०बी० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में स्थानापन्न क्षमता के रूप में 1 प्रक्तूबर 1980 से तथा श्रगले श्रादेश देने तक काम करने के लिए निदेशक, शार केन्द्र ने ग्रपनी प्रसन्नता प्रकट की है।

क्रम सं०	नाम	
1	2	
	Δ.	

सर्वश्री

- (1) यू० सुब्रमण्येश्वर राव
- (2) जी० बी० रमणी

2

1

- (3) जी० एम० श्रोलियर
- (4) ई०टी० थामस
- (5) ग्रार० सोमसुन्दरम
- (6) के० प्रकाशम
- (7) पी० प्रकाश राव
- (8) के० कामेश्वर राव
- (9) सी० मुख्बय्या
- (10) एस० एस० एन० मुर्ति
- (11) के० यशोधरन्

श्चार० गोपालरत्नम, प्रधान, कार्मिक ग्रौर सामान्य प्रशासन कृते निदेशक

पर्यटन तथा नागर विभानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 प्रक्तुबर 1980

सं० स्था(1) 00901—श्री लोवजंग, मौसम विज्ञानी ग्रेड II, भारत मौसम विज्ञान थिभाग, 15-8-1980 के पूर्वाह्म में शिक्षा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश सरकार के श्रन्तर्गत, राजकीय कालेज, कुल्लु में भौतिकी के प्रवक्ता के पद पर प्रत्यावर्तित हो गए हैं।

के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 अन्तूबर 1980

मं० ए० 32013/13/79-ई०सी०---राष्ट्रपति न वैमानिक सचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री यू० एन० सिंह, तकनीकी श्रिधिकारी को दिनांक 11.8.1980 (पूर्वाहन) से यरिष्ट तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है नथा उन्ह निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक. नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

मं० ए० 32013/13/79-ई०सो०---राष्ट्रपति ने दीमानिक संचार स्टेशन- नई दिल्ली के श्री डी० के० चड्डा, तकनीकी श्रीधकारी को दिनाक 22-7-1980 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ तकनीकी श्रीधकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुवत किया है श्रीर उन्हें निदेशक० रेडियो निर्माण भ्रीरविकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

मं० ए० 39012/6/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने वमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट कलकना के श्री एम० एग० राय, तकतीकी ग्राधिकारी का दिनांक 15-9-80 (पूर्वाह्न) में सरकारी सेवा मे त्यागपत स्वीकार कर लिया है।

> ग्रार० एन० दास, सहाथक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 श्रक्तूबर 1980

सं 1/142/80-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वाराश्री पी० एस० नागभूषण को नियमित श्राधार पर 25 जुलाई 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक श्रावीं शाखा में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रीभयंता नियुवत करते हैं।

> पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रशा०) । कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 24 भ्रक्तुबर 1980

सं० 1/160/80-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद् द्वारा श्री एस० बालचन्द्रन को नियमित श्राधार पर 25 श्रगस्त 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक नई दिल्ली शाखा में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/257/80-स्था० विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्री जी० सी० डीलिमा को एकदम तदर्थ श्राधार पर श्रत्यकालीन खाली जगह पर 9-1-80 से 7-2-80 तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थाना-पक्ष रूप से उप परियात पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मलहोसा उप निदेशक (प्रशा०) ग कृते महानिदेशक।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहत्तिय मध्य प्रदेश

इन्दौर, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1980

सं 19/80—ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समूह 'ख' के पद पर पदोन्नति पर निम्नलिखित निरीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क (च० श्रे०) ने उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथियों को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समूह 'ख' के पद पर श्रपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

क्रम सं०	ग्रधिकारी का साम	तैनाती स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
	ार्वश्री		
1. एस	ro चटर्जी	श्रधीक्षक, रेंज दमोह सागर प्रभाग ।	27-9-80 (ग्रपराह्न)
2. के) पी० श्रीवास्तव -	श्रधीक्षक,श्रार० बी० सी० भिलई प्रभाग रायपुर।	30-9-80 (पूर्वाह्स)

एस० के० धर, समाहर्ता

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1980

सं० ए०-32014/1/80-प्रणा० पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग एतद्द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारियों को ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णत्या श्रस्थायी तथा तदर्थ श्राधार पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में छः महीने की श्रवधि के लिए ग्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	भ्रधिकारी का नाम तथा पदनाम	म्रतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
	 सर्वश्री	
1.	पी० एन० टिक्कू, पर्यवेक्षक	13-10-80 (पूर्वाह्न)
2.	एस० एन० लाल, पर्यवेक्षक	23-9-80 (पूर्वाह्न)
3.	जतिन्दर लाल, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्म)
4.	पी० सी० झा	5-9-80 (पूर्वाह्न)
	ग्रभिकल्प सहायक	
5	ए० डी० सिंह्, पर्यवेक्षक	24-9-80 (पूर्वाह्न)
6.	गुलजारी लाल, पर्यवेक्षक	6-10-80 (पूर्वाह्न)
7.	एम० एस० मैक्यू, पर्यवेक्षक	13-10-80 (पूर्वाह्न)
8.	टी० के० घटक, पर्यवेक्षक	6-10-80 (पूर्वाह्न)

के० एल० भंडुला, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि सोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स राजस्थान कारपोरेशन लिमिटेड के विषय मे

जयपुर, दिनांक 21 मन्तूबर, 1980

संवसाखियकी 1555/9701—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जावी है कि इस तारीख में तोन मास के अवसान पर मेंसर्स राजस्थान कारणोरेणन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंजत नहीं किय गये ता रिजस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर मेसर्स केलाश चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1980

सं० सांख्यिकी/1442/9708—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स केलाण चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स पाईन एण्ड बीयर मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में ।

जयपुर, दिनांक 21 अक्तूबर 1980

सं० सांख्यिकी/1287/9715—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्-धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स राजस्थान पाईन एण्ड बीयर मैन्यूफैक्चिरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विधटित कर दी जावेगी।

जयपुर, दिनांक प्रक्तूबर 1980

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स दी मनी सर्क्यूलिटिंग एजेन्सीज श्राफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में

स० सांख्यिकी/999/5791—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स दी मनी सर्क्यूलिटिंग एजेन्सी श्राफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा श्रीर कम्पनी विघटित कर वी जावेगी।

जी० सी० गुप्ता, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 स्रौर पॉयनियर फाइनैन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे

जालन्धर, दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2970—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पाँयनियर फाइनैन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक, कम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़ कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश ग्वालियर, विनांक 27 प्रक्तूबर 1980

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के मामले में एवं मै० विध्या

इन्वेस्टमेंट एण्ड फायनेंस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

सं० 1322/मार०/4528---कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के मन्तर्गत, एतवृद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० विध्या इन्वेस्टमेन्ट एण्ड फायनेंस प्राईवेट लिमिटेड, का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया आयेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 1(4) के अन्तर्गत अचल मम्पत्ति को अधिकार म करनें के बारे में अधिसूचना

कार्यालय सक्षम अधिकारी/निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र), 57 रामतीर्थं मार्ग

लखनऊ, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1980

सं जी श्राई शार नं 22-के/धर्जन-एतद्वारा श्रिधिसुचित किया जाता है कि वाराणसी के ग्राम भवैयान में सेटिल-मेन्ट प्लाट संख्या 277/1 के पूर्व की ग्रोर ग्रविभाजित ग्रधिभाग पैमाइश 1.48 एकड एवं जिला वाराणसर परगना शिवपुर ग्राम भ्रखता में स्थित प्लाट संख्या 586 क्षेत्रफल 7.32 एकड़ भौर (2) ग्राम मवैयान वाराणसी में सेटिलमेन्ट प्लाट संख्या 277/1 के परिचम की ग्रोर ग्राधा ग्रविभाजित भाग क्षेत्रफल 1.48 एकड़ एवं जिला वाराणसी परगना शिवपुर ग्राम अखता में प्लाट नं० 586 पैमाईश 7.32 एकड़ पर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) की उपधारा (2) में लिखित प्रावधानों के प्रनुसार श्री बी० मजूमदार प्रधिशासी अभि-यन्ता इलाहाबाद सेन्ट्रल डिवीजन 76 लूकर गंज इलाहाबाद द्वारा इस विधिवत प्राधिकार से दिनांक 21-5-1980 को कब्जा कर लिया गया है। श्रधिनियम की धारा 269 की उपधारा (4) के प्रनुसार उक्त सम्पत्ति उपरोक्त तारीख से ही पूर्णतया सभी त्रणोभारी से मुक्त केन्द्रीय सरकार के प्रधिकार में हैं।

> ग्रमर सिंह बिसेन, सक्षम ग्रिधिकारी, (निरीक्षी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (ग्रजंनक्षेत्र), लखनऊ

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के भिधीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ध्रक्तूबर 1980

सं० एल० डी० एच०/595/79-80---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी XV 564-10 है तथा जो श्रोवरलोक रोड, लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरक से हुई किसी ध्राय की बावत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, श्रयीन्:--- श्रीमती पूरनी देवी पुत्ती श्री तुलसी राम निवासी गांव ईसनपुर अब गांव दुगरी नजदीक माडल टाउन, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2 श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री गुरदास सिंह निवासी गांव दुगरी, नजदीक माडल टाऊन, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

1/2 माग मकान नं० बी-15-564/10, स्रोवरलोक रोड, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5228, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भा**यकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

वारीख: 10 प्रक्तूबर, 1980

गाहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, भ्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 अन्तूबर 1980

सं० एल० डी० एच०/580/79-80:—-म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द.

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जयदाद नं० 427 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---2--326GI/80 1. मैंसर्स पीयरल मकेनीकल इंजीनियरिंग एण्ड फाऊण्ट्री कर्कस प्राईवट लिमिटड, 425, इण्डट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना द्वारा श्री जगदीश लाल बहल पुत्र श्री नन्द किशोर बहल, ड्राइरक्टर ग्राफ दी कम्पनी बाईड रसोलुशन तारीख 15-1-1979 द्वारा श्री बाल क्रुष्ण रीडर ग्राफ श्री एस० एस० हुण्डल,पी० सी० एस० लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स श्रोसवाल बूलन मिल्ज लिमिटेड जी० टी० रोड, शेरपुर लुधियाना द्वारा श्री विद्या सागर श्रोसवाल, चेयरमैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० 427, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5015, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेब चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 श्रक्तूबर, 1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांकः 10 श्रम्तूबर, 1980 सं० सी० एव० डो०/451/79-80—म्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

शायकर अधिनियम, 1.361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर साति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान जायदाद नं० 1358, है तथा जो सेक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का टांबत बाजार मूक्ब, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत आध्रेक है और अन्तरक (प्रन्तरकां) और अन्तरितां (अन्तरितियों) के बाब ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उब्द अन्तरण लिखित में वास्त्रविक इप स कथित नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी आय का यावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए।और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः— 1. सर्वश्री शिव दयाल सिंह, सोहन सिंह, मोहन सिंह व राम गोबिन्द पुत्र श्री लशकर सिंह द्वारा उनकी पायर भ्राफ भ्रटारनी श्री लशकर सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह निवासी गांव व डाकखाना नाडालोल, जिला होशियारपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री इन्द्र लाल गुलाटी पुत्र श्री प्रधान चन्द निवासी मकान नं० 1359, सेक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सन्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भविधि या तस्त्रं बंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भवोहस्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनके मधिनियम के बक्ष्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहा मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 1358, सेक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 2298, फरवरी. 1980 में दर्ज हैं)

> यु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10 श्रक्तूबर, 1980

प्रकृप प्राई० टी• एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

धारत मरकार

कार्यातय, महायह ब्रायहर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 10 श्रक्तूबर, 1980

स० एल० डी० एच०/603/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृह्य 25,000/-६० में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-21-834 है तथा जो प्रताप नगर, ढोलेबाल लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिध कारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर रेने के अन्तरक के वायित्व में की करने या उससे बचने में स्विधा के लिए। और या
- (ख) ऐसी किया आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11 या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकटनती निया गया था या किया जाना चाहिए था. ियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मं, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपस्रारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रथीत .-- 1. श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री सरदारा सिंह निवासी गली नं० 20, मकान नं० 922, राम नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगत राम पुत्र श्री गगा राम व श्रीमती जमना देवी पत्नी श्री जगत राम श्री गुरिदयाल राये पुत्र श्री जगत राम मकान नं० 840/2, गली नं० 2, प्रताप नगर, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मंपत्ति में हितबद्ध
 किमी सन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण]:--इसमें प्रावृत शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० बी-21-834, प्रताप नगर, ढोलेबाल, लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5332, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द , सक्षम प्राधिकारी।, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10 ग्रस्तूबर, 1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एन •---

आयकर **अधिनिय**म, 19टी (1**961 का 43) की घा**रा 2**69-च** (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

सं० सी० एच० डी०/440/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव घन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'अवन अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2256 है तथा जो नेक्टर 35 सी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथाप्रवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उस दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (श्रान्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अधिक का स विश्व का स विश्व नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, सक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात :-+

- श्रीमती प्रेम जीत कौर विधवा पत्नी श्री ग्रमरजीत सिंह श्री सर्वजीत सिंह पुत्र श्री ग्रमरजीत सिंह कुमारी परमजीत कौर पुत्री श्री ग्रमरजीत सिंह निवासी 3889, हिल रोड, ग्रम्बाला कैन्ट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हंम राज पुत्न श्री बहादुर चन्द निवासी मकान नं० 1610, सेक्टर 23-डी०, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचा जारी करके पूर्वीक्त सम्पनि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तन सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाताः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की घविष्ठ, को भी अविध्र बाद में समान्त होती हो, के भीनर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, घष्टाहुस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इनवें प्रमुक्त सम्बाधारणा मा, जो उक्त मधिन नियम के अध्यार 20-क में परिमाषित हैं, बही अर्थ होगा, जा उस अध्यार में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 2256, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2231, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 ग्रक्तूबर, 1980

प्ररूप आई ० टी ८ एन ० एस ० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 भ्रक्तूबर, 1980

सं० सी० एच० डी०/456/79-80—श्रत. मुझे, मुखदेव भन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा में अधिक हैं

भौर जिसकी स० प्लाट न० 1227 है तथा जो मेक्टर 34 सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980,

को पर्वोक्त सपित को उचित बाजार मत्य पे क्रम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्गतः का उजित बाजार मृल्य, उनको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिसित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिम्बत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुण्डिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों अर्थातः—— कैंग्टन बलदेव सिंह हिल्लो, पुत्र श्री कुन्दन सिंह कापी (एमटी) 515 एएस मी बीटी मारफत 56 एपी श्रो हारा उसकी पावर श्राफ श्रटारनी श्री इन्द्रजीत सुधेडा पुत्र श्री राम चन्द, निवासी 2361 मेक्टर 35-सी चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2 श्री प्रेम नाथ सुधेडा पुत्न लाला राम चन्द निवासी मकान 2361, मेश्टर 35-सी०, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हूँ, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

भ्रनुसूची

प्लाट न० 1227, सेक्टर 34-मी०, चण्डीगढ । (जाय-दाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2326, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख . 20 ग्रक्तूबर 1980 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

सं० एल० डी० एच०/608/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान जायदाद नं० बी-XX-1126/1-ए, है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980,

को पूर्वांक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एएंगे हर्ग्यणान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिय (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः——

1. श्री धर्म सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी कोठी नं० 1367, मेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

 श्री सरन सिंह पुत्र श्री हिर सिंह, निवासी मानकवाल तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी गक्षे**प.~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- $XX-1126/1-\eta$, गुरदेव नगर, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रिजम्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5351, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

विनाक: 10 स्रक्तूबर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई॰ टो॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रश्नोत सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

सं० सी० एच० डी०/461/79-80—-ग्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-क्पए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1055, है तथा जो मेक्टर 36-सी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाक फरवरी, 1980,

(1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरी, 1980, को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त नम्मति का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐने दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकां) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विखित में बाहा दिक एवं ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करते या उनम जनने में नुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम शी धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती स्राशा देनेन्द्र पत्नी मेजर देवेन्द्र द्वारा उसकी जनरल श्रटारनी श्री स्रर्जन सिह बालिया पुत्र श्री भगत मिह निजामो 1567, मेक्टर, 34-मी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती कैलाश वती पत्नी स्वर्गीय लाल चन्द, निवासी मकान नं० 1164, सेक्टर-22 वी०, चण्डीगढ़। (प्रन्तरिती)

को प्रहसूचना गारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जु। के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इन म्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना को नामीन ने 30 दिन की अवधि, जो भी अविव याद से समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिश्त में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकगे।

स्पट्टोकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-ित्यम, के श्रद्ध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1055 सेक्टर 36 सी० चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या नं० 2353, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना ।

दिनांक: 10 प्रक्तूबर, 1980

मोहर.

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तुवर 1980

सं० सी० एच०डी०/460/79-80:—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज, लुधिलाना आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर नम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से ब्रधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान जायदाद नं 3282 है तथा जो सेक्टर 19-डी , चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, वण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980,

पूर्विक्त सम्पति के उचित वाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथा दृष्विक्त उम्पत्ति का जारे बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिका निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तांक रूप से क्या गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षिनियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतं, उद्यत अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उद्यत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- श्री तिलोचन सिंह पुत्र भाई हीरा सिंह निवासी मकान नं० 1051, सेक्टर 27-बी० चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती क्रजिन्द्र दीपक पत्नी श्री ए० एस० दीपक व श्री ए० एस० दीपक पुत्र श्री ग्रर्जुन सिंह निवासी 238, सेक्टर 11-ए० चण्डीगढ़।

(ग्रन्तिकती)

3. मैसर्ज (जे० एस० टिनर्जवरीकेटरस बारोटीवाला (हि० प्र०)।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुचना जारी चरके पूर्वेदित सम्पत्ति के प्रजैन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनजद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोक्करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्ष का, जो उन्त ग्रीमिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया हैं।

प्रनुसूची

मकात तं० 3281 सेक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रजिन्द्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या तं० 2352, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर, 1980

प्ररूप आर्द्दा० एन० एस० - -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 10 अत्रत्वर 1980

सं०सी एच० **डी**०/442/79-80:—-ग्रनः० मुझे, सुखदेव चन्द,

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा॰ से मिधक है

भौर जिसकी सं० शाप कार्म फ्लेट नं० 72 व 73 है तथा जो सेक्टर 15-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों वर्धातुः—

 श्री करनैल सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी मकान नं० 1607, सेक्टर 18डी०, भण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. 1. श्री सतिवन्द्र सिंह खाबड़ा 2. श्री कुलतार खावड़ा पुत्र श्री विक्रम सिंह खाबड़ा 3. श्रीमती रिजन्द्र कौर पत्नी श्री सन्तिवन्द्र सिंह खाबड़ा व 4. श्रीमती सुखविन्द्र सिंह खाबड़ा पत्नी श्री कुलतार सिंह निवासी गांव काहारपुर डाकखाना माहतपुर, जिला होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. 1. मैंसर्ज कृष्णा स्टेशनरी व ग्रार्ट इम्पोरियम, 2. मैंसर्ज नेशनल ट्रेडरस 3. श्रीमती शाकीला बानु, 4. श्री राज् 5. श्री सीता राम सारे निवासी एस० सी० एफ० 72 व 73, सेक्टर, 15-डी०, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 72 व 73 सेक्टर 15-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2237, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 ग्रक्तूबर, 1980

मोहरः

3-326GI/80

प्ररूप बाई• टी• एन• इस•----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना शास्त्र मरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1980 मं० सी० एच० डी०/448∤79-80:—श्रतः मुझे सुखदेव घन्दः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधि हारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्बत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान नं० 2860 है तथा जो सेक्टर 22 सी०, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिजस्ट्री कर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्मात के छलित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। वोक्त सम्मारा का छलित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे इण्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और पन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिकल निम्निविचन उद्देश्य से उन्त सन्तरण विक्ति में वास्त्विक हम से अध्यन नहीं किया गया है:—

- (क) अताण से हुई किसी भाग की राजत, जक्त प्रश्चित्य: के प्रश्नीत कर देने के अन्तरक के परिवर्ग में भनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आग/या
- (ख) ऐनो कियो आय वा किसी पर या अन्य आस्तियों को जिन्हें नास्तीय पायकर प्रिमिश्य, 1922 (1922 का 11) या उन्त पश्चित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निर्देशी द्वारा प्रयट नहीं किया गया या या किया जानी साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '-- ग्रम्त लाल ग्रग्नवाल पुत श्री ज्वाला राम द्वारा उसकी ग्राटारनी श्री मुरिन्द्र मोहन गुप्ता पुत श्री मनमोहन गुप्ता, निवामी 2768, सेक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्सरक)

2. श्री मनमोहन गुप्ता पुत्र श्री माथू राम निवासी मकान नं० 2860 सेक्टर 22-मी०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति ६ अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के तंबंब में कोई भी पार्केप ।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या नत्मंक्यी व्यक्तियों पर मूचना की नामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी घर्यध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबढ़ किसी अन्य क्यां ना द्वारा ध्रघोहस्ताक्ष के ज पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पब्ही चरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों मोर पर्दों का, जो उक्त ग्रह्म-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान नं० 2860 सेक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2273, फरवरी, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० --

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनाक 10 श्रवतूबर 1980
सं० सी० एच० डी०/438/79-80:~-श्रत मुझे सुखदेव

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं एसं सी श्री नं 33 है तथा जो सेक्टर 31-डी , चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक फरवरी, 80, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पद्मक्ष स्थान प्रतिफल के पद्मक्ष सुश्यमान प्रतिफल के पद्मक्ष दृश्यमान प्रतिफल के पद्मक्ष प्रतिमात से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में 'कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत :--- श्रीमनी कोंकनां रानी पत्नी श्री बलजीत सिंह गिल निवासी मकान नं० 1550, सेक्टर 36-डी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रल्ला सिंह पुत्र श्री करता राम निवासी बुड़ैल, पोस्ट ग्राफिस बुड़ैल, यू० टी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में होई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशा की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यांका द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पड्टीकरण:--इसपें प्रमुक्त जब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अबंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० श्रो० नं० 33, सेक्टर 31-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2221, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारो, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10 भ्रान्त्र्यर, 1980

प्ररूप पाई० टी० एत० एस०-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के मधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० सी० एच०डी०/450/79-80/ श्रतः मुझे सुखा देव चन्द

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमन उनके पश्चात् 'उक्त श्रवितियम' कहा गया है), की प्रारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

और जिसकी संब्प्लाट नंव 1412 है, तथा जो सेक्टर 34-सी चड़ीगड़ मंदसीर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीयरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फर्दरी, 1580, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति वागार मूल्य से का के दूर्यमान प्रिक्षिल के निए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के निए राजाया गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त सन्तरण निक्ति में श्रम्तिक का ने कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण में हुई जिस्से पाय को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िहसी आय बाइक्सो बन या फ्रन्य धास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छन्म धिधिनयम, याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, डिगाने में मुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1 विंग कमान्डर श्रार० एल० जैतले द्वारा उसकी श्रटारनी श्रीमती कैलाश शर्मा पत्नी श्री टी० एल० शर्मा निवासी 692, सेक्टर 8-बी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2 श्री संजीव सलवान पुत्र श्री टी० एल० गर्मा निवासी 1412, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्कन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यकिं। द्वारा, प्रश्लोत्स्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सर्जोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त धिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अये होगा, जो उन सक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1412, सेक्टर 34-सी० चण्डीगढ़। (जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2280, फरवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना ।

तारीख: 10 भ्रमतूबर, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर ब्रधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, म्रायकर भवन, लुधियानः

लुधियाना, दिनांक 10 अक्तूबर, 1980 सं० एल० डी० एच/605/79-80—म्प्रत : मुझ सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन नक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से प्रधिक है

श्रोर जिसकी मकान नं० बी-19-152 (पुराना) है तथा जो सेठ सोहन लाल लेन, महारानी झासी रोड सिविल लाईन, लुधियाना बी-19-152/2 (नया) में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्र बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियन के प्रधीन कर देन के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िकसा आग या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, खक्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रीन, निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथित:——

- श्रीमती बनीता जैन पत्नी श्री जवाहर लाल जैन निवासी बी-19-152/2, सेठ सोहन लाल लैन, महारानी झांसी रोड, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरक)
- 2 श्री मुदेश जैन पुन्न श्रो नगीन चन्द जैन निवासी 433/6, बसन्त रोड, सिकिल लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिंत-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - - इसमें प्रयुक्त प्रक्ष्तों और पदों का, जो प्रक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० बी-19-152 (पुराना) /बी-19-152/2 (नया) महारानी क्षांसी रोड, सेठ मोहन लाल लेन, सिविल लुधियाना।

जायदाद जैसांकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5336 फरवरी 1980 में दर्ज है सूखदेव चम्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 13-10-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियान।

नुधिययाना, दिनाक 10 ग्रक्तूबर 1980

सं० पी० एल० एम०/ग्राई०/79-80—-ग्रत:मुझे सुखदेव चन्द,

भ्रायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पण् से श्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृठियाला टी द्धुम्टेट है तथा जो पालमपुर (हिमाचल प्रदेण) मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्री कत्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980, को पूर्वोक्षम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे ग्रिधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

धतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत :—

- मर्ब था हरकृष्ण लाल व मुरिन्द्र कुमार कुठियाला,
 कुठियाला कालोनी होशियारपुर।
- (ग्रन्तरक) 2 श्री हम राज सूद, निवासी बी०-82, डीफैन्स कालोनी,

(भ्रन्तरिती)

उश्री बदरी प्रसाद, टी० मरचैन्ट पालमपुर (हि० प्र०)।

नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन में के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जायदाद जो कि 'कुठियाला टी इस्टेट' पालमपुर (हि०-प्र०) में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रध-कारी दिल्ली के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 115, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 10 स्रक्तूबर, 1980 मोहर प्रस्तर प्राई० टी० एन० एम०→--

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रायकर भवनः लुधियाना लुधियाना-दिनांक 10 श्रक्तुबर- 1980

सं० एल० डी०एच०/581/79-80——ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वाम करते का कारण है कि स्यावर गम्पत्ति, जिलका उत्तित वाजार मल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी स० मकान जायदाद नं० बी-XV-5 है तथा जो जी०टी० रोड मिल्लग्गंज लुधियाना में स्थित है (द्रौ र इससे उपाबद्ध स्रन्सूची में द्रौ र पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण स्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभाग से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निग तय पाना मान प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण चिवा में वास्तवित का से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण में हुई किसी आध की पावत उक्त अधि-नियम, के ग्रामीन कर टेने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे चचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या किया जाना चानिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रबं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्-सर्ण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 260-य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थांत:—

- 1 श्री ब्रात्मा सिंह पुन्न श्री तरिसिंह निवासी मकान नं० 2531 सेक्टर 35सी०, चण्डीगः । (ब्रन्तरक)
- 2 दी जिला, राजपूत सभा, राजपूत भवन, बी-XV-5, मिल्लरगंज, जी०टी० रोड, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोत्रन सम्पत्तिके म्रजैन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 वित की धात्रिक्त जा नत्मंबंबी क्यक्तियों पर सूचना की नामोल से 30 दिन की भ्रत्रिश जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा .
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिसी ग्रन्थ स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कों।

स्वष्टोकरग '--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पढों का, जो खक्त अधि-नियम के ग्रध्यात 20-क मे पुषरिभाषित है वही ग्रथे होगा, जो उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

मकान जायदाद नं० बी-XV-5, मिल्लरगंज, जी० टी० रोड, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रिजय्द्रीयर्ता श्रिधिवारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 5032, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, लुधियाना

दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1980 मोटर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तवर 1980

मं० के र्नाएन/91/79-80:—-प्रतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान बिल्डिंग का भाग है तथा जो वार्ड नं० 5, खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन, नारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- शोमती दलीप कौर विधवा पत्नी श्री अर्जुन सिंह श्रोमती हरबंस कौर पुत्नी श्री अर्जुन सिंह व श्रीमनी हरबन्त कौर पुत्नी श्री अर्जुन सिंह सारे निवासी मकान नं० 978, वार्ड नं० 5, खन्ना, जिला लुधियाना।
- 2. श्री जयगोपाल पुत्र श्री प्यारे लाल वार्ड नं० 4, मकान नं० 498 खन्ना, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के फिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाधित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान बिल्डिंग का भाग जो बाई नं० 5, खन्ना में स्थित है। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1884, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 प्रक्तूबर 1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर भिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लिधयाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० केएनएन/92/79-80:--- स्रतः नुझे सुखदेव चन्द, कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने <mark>का कारण है</mark> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान बिल्डिंग काभाग है तथा जो वार्ड नं० 5, खन्ना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त समात्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से भिधक है और ग्रन्तरक

(अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देंगे के जन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, धव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के झन्सरण में में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के क्षधीन निम्नतिश्वित स्यनितयों, अर्थात् :--- श्रीमती दलीप कौर विधवा पत्नी श्री श्रर्जन सिंह श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री श्रर्जन सिंह व श्रीमती हरवन्त कौर पुत्नी श्री श्रर्जन सिंह सारे निवासी मकान नं० 978, वार्ड नं० 6, खन्ना।

(श्रन्तरक)

 श्री जयगोपाल पुत्र श्री प्यारे लाल मकान नं० 978, वार्ड नं० 6, खन्ना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजॉन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान बिल्डिंग का भाग जो वार्ड नं० 5, खन्ना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1902, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10-10-1980

मोहरः

किया गया है:---

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लृधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1980

सं० एल डी एच/572/79-80:— ग्रात: मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह० से अधिक है।

धौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 518 1/2 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; आर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 गुरप्रशाद ट्रस्ट (रजि०), धार्मिक व चार्टीवल लुधियाना द्वारा ट्रस्टी सरदार प्रित पाल सिंहग्रेवाल पुत श्री जोगिन्दर सिंह ग्रेवाल एडवोकेट, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती जसविन्दर कौर धीरज पत्नी श्री प्रवेण सिंह धीरज निवासी गांव हिंदियावाद जिला कपूरथला द्वारा उसकी साधारण पावर श्राफ ग्रटारनी श्री उदय सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह निवासी 636, गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन क अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

प्लाट क्षेत्रफल 518 1/2 वर्ग गज जो गुरदेव नगर लुधि-याना में स्थित हैं। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4950, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सहायक प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 अक्तूबर 1980

प्ररूप आई • टी • एन • एम •----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 म्रक्तूबर 1980

सं० एलडीएच|573|79-80:——अतः मुझी, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 518 वर्ष वर्ष गज है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. छक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयका किसी धनया ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की वारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ण की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— गुरप्रसाद ट्रस्ट रिजस्टई (रिलिजियस व चार्टवेल) लुधियाना द्वारा ट्रस्टी सरदार प्रित्तपाल सिह ग्रेवाल पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह ग्रेवाल, एडवंकिट, निवासी गुरदेव नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्ज मथार मशीनरी वर्कस द्वारा उनके पार्टनर सर्वश्री निरंजन सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह व गुरजीत सिंह पुत्र निरंजन सिंह, निवासी 626, गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी** करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

<mark>प्रनुस</mark>ुची

प्लाट क्षेत्रफल $518\frac{1}{2}$ वर्ग गज गुरदेव नगर, लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ब्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या मं० 4951, फरवरी, 1980 में वर्ज है)।

मुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर 1980

त्रक्ष प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के घषीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 म्रक्तूबर 1980

निदेश सं० पी० टी० श्रार०/54/79-80:—श्रतः मूझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,090/- ६० से आधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 44 कनाल 9 मरले हैं तथा जो गांव मुतराना, तहसील समाना जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, पातड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य । इस के दूश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुदो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संक्यिन नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घष्टिनियम, या घन-कर घष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रनुष्टण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-**ग की उपघारा** (1) के अधीन, निम्मजिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्री प्रकाशी पुत्र श्री दीप चन्द पुत्र श्री कौड़ा राम, निवासी पटियाला।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रर्जन पुत्र श्री भुल्लर राम निवासी मुतराना, तहसील समाना, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त स्थक्तियों में से किसी स्थनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसका किसी मन्य क्यक्ति द्वारा अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घछि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस घड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 44 कनाल 9 मरलेगांव सुतराना तहसील समाना, जिला पटियाला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी पातड़ा के कार्यालय के विलेख संख्या 1913, फरवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 प्रक्तूबर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980
सं० सी एच० डी०/457/79-80:—श्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग एम० सी० एफ० नं० 69 है तथा जो मेक्टर 47-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियमं की द्वारा 269-ग के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियमं की खारा 269-थ की छपद्वारा (1) के बाधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :--

- 1. श्रीमती शिकशा रानी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश निवासी मकान नं० 644, फेस-I, मोहाली (पंजाब)। (श्रन्तरक)
- श्री जगन्नाथ पुत्न श्री देबी राम निवासी 161 ए०, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. मैंसर्स गर्ग स्टोर, प्रो० मैंसर्ज प्यारे लाल, परमा नन्द, व श्रीमती भ्रार० कपूर एस० सी० एफ० नं० 69, सेक्टर 47-डो०, चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचशा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 69 सेक्टर 47-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2331, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 10-10-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

निदश सं० सी०एच०डी०458/79-80—श्रतः, मुझे, सु**खदेव** चन्द

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं क रे भाग एस किए एक कं 69 है तथा जो सेक्टर 47-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

चतः जब, उक्त अधिनियम, कौं धारा 269-ग के अनुसरण मों मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमित शिकशा रानी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, मकान न० 644, फेस-ा, मोहाली (पंजाब) (श्रंतरक)
- श्री टेक चन्द पुत्र श्री जगन्नाथ,
 निवासी एस ० सी० एफ० नं० 161 ए,
 ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।
 (श्रन्तरिती)
- मैसर्स गर्ग स्टोर
 प्रो० मैसर्ज प्यारे लाल परमा नन्द
 श्रीमती भ्रार० कपूर
 निवासी एस० मी० एफ० नं० 69,
 सैक्टर 47-डी, चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 69,सैक्टर 47-डी,्र्वण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2332, फरवरी, 1980 में दर्ज है) ।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुघ्रियाना

तारीख: 10-10-1980

प्रकप धाई • ही • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्र<mark>ार्जन रें</mark>ज, म्रायकर भवन, लुघियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रवतूबर, 1980

सं० सी॰एच॰डी॰/454/79-80—श्रत: मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० प्लाट नं० 3103 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ; स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध

भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तिरती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीद्ध/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 लैफ्टी० कर्नल जे० एम० लाल पुत्र श्री काली चरण हैंड क्वार्टर, 17 एफ०ए०डी०सी० द्वारा 56ए०पी० म्रो० (म्रंतरक)
- श्री सत्यरथ प्रकाण दत्ता पुत्न रणधीर सिंह दत्ता, श्रीमती कनचन दत्ता पत्नी श्री सत्यरथ प्रकाण दत्ता द्वारा उनकी श्रटारनी श्री रणधीर सिंह दत्ता पुत्र श्री निरंजन दास, निवासी मकान नं० 805/18-डी०, चण्डीगढ़ अब 3566, मैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनु सूची।

प्लाट नं० 3103, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2316, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10-10-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रमतूबर, 1980

सं० चण्डी ० | 432 | 79-80 — ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | रुपये से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 115 क्षेत्रफल 528 वर्ग गज है तथा जो सेक्टर 35-डी ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खदेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियन के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— कैंप्टन देविन्दर सिंह,
 2524, सैंबटर 35-ए०, चण्डीगढ़।

(श्रंतरक)

2 श्री एस० एस० कपूर निवासी मकान नं० 49, सैक्टर 18-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रंतरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- () इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- व्हामं प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदौ का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

्लाट नं ० 115 (क्षेक्षफल 528 वर्ग गज) सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2206, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 10-10-198**0**।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 भ्रवतूबर, 1980

मं० चण्डी०/437/79-80—- ग्रतप्मुझे मुखदेव चन्द श्रायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-नपए से श्रधिक है

स्पौर जिपकी सर्व प्लाट नं ० 307 (क्षन्न फल 528. 125 वर्ग गज) है तथा जो सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है, (स्पौर इससे उपा-बद्ध स्ननुसूची में स्प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किशो पाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धनकर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा ने जिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---, 5---326 G1/80 1 श्री बी० के० माथुर पृत्र श्री बी० डी० माणुर, 654 सेक्टर 16 डी, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरक)

2 श्री डी० के० बडेड़ा स्रद्वारा उनकी जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्री के० के० पुरी मकान नं० 1067, सेक्टर 21-बी०, चण्डीगढ । (श्रन्तरिती)

हो यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत उपितन्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पे हितबद्ध किमी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा पर्कीये।

स्पब्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जकत श्रधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 307 सेक्टर 35 ऐ, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या त० 2219, फरवरी, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल्धियाना ।

तारीख: 10-10-1980

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

मं० एलडीएच/637/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया है), की धारा 269- ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका जिल्ल बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 1/2 भाग कोठी नं० 382R है तथा जो माङल टाउन लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख फरवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्खित व्यक्तियों, अर्थात्ः-- श्री कुलवन्त राये पुत्र श्री जय राम वेरी निवासी दुगड़ी रोड, लुधियाना ।

(श्रंतरक)

 श्रीमती निर्मल हांडा पत्नी श्री केवल कृष्ण निवासी माडल टाउन, लुधियाना ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, भा भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

वन सुची

1/2 भाग कोठी नं० 382 श्रार०, माडल टाउन, लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5726, फरवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10-10-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1980

सं० लुधियाना/597/79-80—ग्रत: मुझे, मुखदेव चन्द, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० 382-श्रार है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीदन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री कुलवन्त राये पुत्र श्री जय राम वेरी, निवासी दुगड़ी रोड, लुधियाना।

(भ्रंतरक)

 श्रीमती निर्मल हांडा पत्नी श्री केवल कृष्ण कोठी नं० 323, माइल टाउन, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के स्वित् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अमूसुची

1/2 भाग कोठी नं० 382 श्रार० माडल टाऊन, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 5243, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

क्रतः अब, अक्त अधिनियम नी धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

तारीख: 10-10-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊸-

श्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1980

सं० मीएचडी/453/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 173 है तथा जो मेक्टर 36-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिसत्र प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तथ पाना गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्ग्य न उक्त प्रतर्रा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण नं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या **ए**ससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त यधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- त्रिगेडियर प्रभजीत सिंह तलवार वी०एम०एम०एन७, पुत्र बक्शी तुलसा सिंह तलवार निवासी : डी०-53, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।
- श्रीमती मनमोहन कौर पत्नी श्री सरदारा सिंह भिण्डर श्री ग्रमर इकबाल सिंह भिण्डर पुत्र श्री सरदारा सिंह भिण्डर, निवासी 92-एच०, दी माल, ग्रमृतसर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकर गः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 173 सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० न० 2311, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधि**यान**ा

तारीख : 10-10-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० चण्डी०/439/79-80--- श्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक है श्रौर जिसकी मं० मकान नं० 50 है तथा जो सेक्टर 16-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रम्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीतः :---

- मिसिज जोगिन्द्र कौर पत्नी श्री हरगोबिन्द सिंह मकान नं० 114, सेक्टर 10-ए०, चण्डीगढ़। (श्रंतरक)
- श्री मोहन दास पुत्र श्री सीता राम, निवासी ग्रानन्द निवास, फागली, शिमला। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 50 सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2228, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुश्चियाना

तारीख: 10-10-1980।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०---

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यानय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जन रेंज, लुधाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्तूबर, 1980

सं० चण्डी०/449/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1875 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक इप से इथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अश्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः चवः, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कैंप्टन सर्वेद्यामन सिंह ब्रोबराय
पुत्र स्वर्गीय श्री कैंप्टन हरबंस सिंह
निवासी: जे०-6/109, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली द्वारा
उसकी जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्रीमती पीलू श्रोबराय
पत्नी कैंप्टन सर्वेदामन सिंह निवासी जे०-6/109,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रंतरक)

 श्री स्वर्ण सिंह गिल पुत्न श्री नारंग सिंह व श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह निवासी गांव मुल्लांपुर जिला रोपड़ ।

(ग्रंतरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यज्ञ में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के मध्याय 20-क में परिकाषित है, वही मर्च होगा जो उस अध्याय में दिथा गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 1875, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2279, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० लुधिया०/236/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 2-16-9 बीघा है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बानार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (धन्तरको) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अंश्वरण सं हुई किसी आय की बाबत जनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सव, उक्त मधिनियम की खारा 269-ग के बन्-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- श्री बहादुर सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह निवासी गांव दाद, तहसील लुधियाना ।

(भ्रंतरक)

2. श्री अवय कुमार श्रोसवाल पुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल, निवासी धुमार मण्डी, लुधियाना ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी झरके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी पार्खेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 46 दिन की प्रविध या परसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पदों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2-16-9 बीघा गाँव दाद, तहसील लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 7054, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख 10-10-1980।

प्ररूप आई० टो० एन० एस०--

शायहर प्रधितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 10 भ्रक्तूबर 1980

सं० एल० डी० एच $\left| 238 \right| 79 - 80 :$ —-ग्रत: मुझे, सुखदेव चन्द श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्बात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खा के

भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से

और जिसकी स० भूमि क्षेत्रफल 2-16-9 वीगा है तथा जो गाव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य , उनके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बा**बत उक्त भ्रधि**-नियम ह अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्रायया किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रविनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ स्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, खनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात्:--

 श्री बहादुर सिह् पुत्र श्री जागीर सिह् निवासी गांव दाद, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2 श्री श्रवय कुमार श्रोसवाल पुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल, निवासी घुमार मण्डी, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, ग्रजिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा. जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2-16-9 बीगा गांव दाद, तहसील लुधियाना (जायदाद जैंसा कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 7166, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना।

दिनांक: 10 ग्रक्तूबर 1980

प्रकृप माई॰ टी॰ एन० एस॰⊸----

आयकर मिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के ममीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर धायुक्त (तिरीकक)** ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० सी० एच० डी०/459/79-80:—-श्रतः मुझे सुखदेव भन्द,

आयकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से मिबिक है

ग्रौर जिसकी प्लाट नं० 3305 (क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज) है तथा जो सेक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्री करण, श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो आप की बाबत, अनत अधिनियम, के भवीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में धुविधा के किए; धौर/था
- (ख) ऐसी किमी आप या किसोधन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर प्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात !-- श्रीमती सर्वजीत कौर पत्नी श्री महिन्द्र सिंह द्वारा उसकी जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्री माहिन्द्र सिंह पुत्र श्री मुन्शी सिंह गांव नाडाली, डाकखाना जैयद, जिला कपूरथला।

(श्रन्तरक)

2. सर्वश्री रणजीत सिंह व गुरचरन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी 492 सेक्टर 20 ए०, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो अरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविध, वो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, को उनत प्रक्षितियम के घड्याय 20-क में परिमायित हैं, बड़ी प्रयंहीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3305, मेक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2349, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

विनांक 10 श्रक्तूबर, 1980 मोहर:

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० डी० एच० म्रार०/3/80-81:—-म्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीगा 5 बीसवा 9 बीखवासी है तथा जो वर्धवाल डाकखाना धूरी में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय धरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 77) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) कडे अधीन गिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री मल सिंह, पुत्र श्री हुजूरा सिंह निवासी गां ष वर्धवाल, डाकखाना धुरी, जिला संगरूर।

(भ्रन्तरक)

 डा० विनोद कुमार पब्बे, पाठणाला रोड, धूरी, जिला संगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ट्यापत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो 'तक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीगा 5 बीसवा 9 बीसवासी, गांव वर्धवाल, जिला संगरूर।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी धूरी के कार्यालय के विलेख संख्या न० 1599, मई, 1980, में दर्ज है)।

> मु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 10-10-1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1980

निदेश सं० एम० के० एल०/64/79-80:—- म्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 37 बीगा 1 बीसवा है तथा जो गांव बादशाहपुर, तहसील मालेरकोटला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उच्त धन्तरण किखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई विसी द्याय की बाबत, एक्त द्यक्रिनियन के अधीन कर देने के द्यन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्चित्यम, या घनकर प्रश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था व्या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रद, उकत भिधिनियम की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती सुरजीत कौर विधवा पत्नी श्री लाल सिंह पुत्र श्री मल सिंह, निवासी बादशाहपुर, तहसील मालेरकांटला द्वारा उसकी जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्री मल सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, निवासी गांव बादशाहपुर, तहसील मालेरकोटला, जिला संगरूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मेजर सिंह पुत्न श्री गुरदेव सिंह, निवासी गांव फिरोजपुर कुठियाला, तहसील मालेरकोटला, जिला संगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अविद बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधौहस्ताकारी के पास सिखित किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त भित्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 37 बीगा 1 बीसवा, गांव बादशाहपुर. तहसील, मालेरकोटला ।

(जायदद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 498, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ----भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्वन्तूबर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/444/79-80:—-ग्रत:, मुझे, सुखदेव चन्द,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क० से भिक्त है,

स्प्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 354 (V) है (क्षेत्रफल 525.75 वर्ग गज) है तथा जो सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त श्रिष्ठितियम, के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—- फ्लाईट लैंफ्टी० विश्वानाथ, एस० सी० एफ० नं० 15, सैक्टर 20-डी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह, गांव व डाकखाना खूरला किंगरा, नजदीक जालन्धर ग्रहर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पडटोकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो **एक्त** श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिश्वाधित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 354 (V) सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2253, फरवरी 1980 में दर्ज है)

> सुकदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **लु**धियाना।

दिनांक: 10-10-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

भायकर मिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 म्रक्तूबर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/443/79-80---ग्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

भामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्पेए समाधक ह स्प्रौर जिसकी सं० मकान जायदाद नं० 3083 है तथा जो सेक्टर 22-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्प्रौर इसके उपाबद्ध सनुसूची में स्प्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीक सि स्रिधनारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीक रण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रविक्तल के लिए धन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तरह प्रतिशत से स्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) स्प्रौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खिल व्यक्तियों, अधित्⊹-- श्रीमती दयाल कौर पत्नी श्री राम सिह, निवासी गाव डडुमाजरा, यू० टी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमंती सुरजीत कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह द्वारा उसके पति सः प्यारा सिंह, निवासी गांव डब्रुमाजरा, यू० टी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पर्शों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जायदाद नं० 3083, सेक्टर 22-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2245, फरवरी 1980 मे दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज लुधियाना ।

दिनांक: 10-10-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना ल्धियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980 निदंश सं० सी० एच० डी०/431/79-80---श्रत: मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/-रुपए से **प्रधिक है** ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3076 है तथा जो सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकक्त श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— 1 कमाण्डरदलजीत सिंह बराड़ पुत्र श्री सरवन सिंह द्वारा उसकी जनरल पायर श्राफ श्राटारेनी श्री झलमान सिंह पुत्र श्री श्रजीत सिंह, निधासी मकान न'० 137, सेक्टर 11-ए०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्री भगवान वास बंसल पुत्र श्री लक्षमण दास व श्रीमती ऊषा रानी पत्नी श्री भगवान दास, निवासी मकान नं० 2, रोज गार्डन, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो सक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं० 3076, सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2198, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव वन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1980

प्ररूप आहर्र. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तुवर 1980

निदेशसं० एल० डी० एच०/ब्रार०/231/79-80---श्रत: मुझे सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धः रा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मरले हैं तथा जो गांव सिलखियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत - अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियाँ अर्थात्:— श्री बलदेव सिंह पुत्र श्रीमती राम देवी, गांव सिल खियाना, तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2 श्री चरनजीत सिंह व श्री गुरदेव सिंह पुत्न श्री मल सिंह, निवासी गांव संगोबाल, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तार्रीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सके गे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मरले गांव सिलखियाना, तहसील लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6910, फरवरी, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1980

प्ररूप धाई० टी० एत० एस०--

ग्रायकर धिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 10 श्रक्तूधर 1980

निदेश सं० एल डी एच०/म्रार/232/79-80—-मृत्ते मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जवित बाबार मृत्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मण्ले हैं तथा जो गांव सिलखियाना, तहसील लुधियाना में विश्वत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत श्रीधक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, खकत मिश्रितयम; के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करन पा उससे वचने में सुविधा के सिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अश्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविष्यम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः श्रव, उस्त श्रविनियम की धारा 269-ग के बयुसरण में, में, उस्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अथितयों, अर्थात ।--- श्री बलदेव सिह् पुन्न श्रीमती राम देवी मिनासी गाव सिलखियाना नहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री मल मिह निवासी
गाव व डाकखाना सागोवाल तहसील लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी **प्राक्षेप:--**

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रभाषान की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविव बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी धक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20का में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मरले, गाव सिलिखियाना, तहसील लुधियाना।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सम्बंग 6986, फरवरी, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निर्दक्षण) म्रजैन रेज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980 निर्देश सं० एल० डी० एच०/569/79-80:——ग्रनः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 522 वर्ग गज है तथा जो चम्पा लाल गली, विपरीत पुलिस लाईन, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकक्षा ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्घोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रो मुनील कुमार पुत्र श्री प्रमृत लाल चम्पा, लाल गली, विपरीत पुलिस लाईन, सिविल लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कोम्लयवती पत्नी श्री राम स्वम्प श्री अजय कुमार पुत श्री राम स्वम्प व श्री बलविन्द्र पाल पुत्न श्री राम स्वस्प निवासी मुहल्ला रूपा मिस्त्री, कुच्चा करतार सिंह मकान नं० 1244, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 522 वर्ग गज, चम्पा लाल गली, विपरीत पुलिम लाईन, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4944, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांकः 10 श्रक्तूबर 1980

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

निवेश सं० एल डी एच०/ब्रार/224/79-80—ब्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मरले हैं सथा जो गांव सिलखियाना तहसील लुधियाना में स्थित हैं भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के ्रिदायित्व में कमी करने या श्रीउससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः-- 7—326 GI/8 0

- 1. श्री बलदेव सिंह पुत्र श्रीमती राम देवी निवासी गांव सिलखियाना, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री चरनजीत सिंह व गुरदेव सिंह पुन्न श्री मल सिंह निवासी सांगोवाल, तहसील लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>प्रजंन के</mark> लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि क्षेत्रफल 26 कनाल 15 मरले, गांव सिलुखियाना तहसील लुधियाना।
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6732, फरवरी 1980 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रंज, लिधियाना

दिनांक 10-10-1980 मोहर : प्रकप धाई • टी • एन • एम ०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

षारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० सी० एच० डी०/445/79-80----- प्रतः मुझे, सुखदेव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्मे इसके पण्यात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000/- क० से अधिक है xौर जिसकी मं \circ 1/2 भाग मकान न \circ 247 है तथा जो सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का डिचित बाजार मुल्य, छमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्मरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित प्रदेश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अभ्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी घन या भण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या घन-कर भिर्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के श्रतुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मेजर प्रीतम सिंह बराइ पृत्र स्वर्गीय टा० लेहणा सिंह बराइ बहादुरगढ़ फार्म हाउस, बहादुरगढ पटियाला द्वारा उनकी जनरल ध्राटारनी श्री शोटा राम पुत्र श्री राम चन्द एस० सी० ध्रो० नं० 1 सेक्टर 27-डी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री केशो राम गोयल पुत्र श्री राम चन्द एस० सी० एफ० नॅ० 127, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिनी)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घडवाय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनसूची

1/2 भाग मकान नं० 247, सेक्टर 35-ए० चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ऋधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2266, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सृखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

सं० भी० एच० डी०/446/79-80:—श्रतः मुझे मुखदेव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 247 है तथा जो सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपीत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीनपाल के लिए अल्परित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उचित बाजार

- प्रातिकल के लिए अन्यारित की गई है और मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मेजर प्रीतम सिंह बराड पुत्र डा० लेहणा सिंह, बहादुरगढ़ फार्म हाउस, बहादुरगढ़ पिटयाला हारा उनकी घटारनी श्री छोटा राम पुत्र श्री राम चन्द एस० सी० एफ० नं० I, सेक्टर 27-डी०, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- श्री सीता राम गोयल पुत्र श्री राम चन्द मारफत एस० सी० एफ० नं० 127, सेक्टर 28-डी०, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्तित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

प्रनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 247, सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2267, फरवरी, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1980

प्रकृप भाई० टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

का**र्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुव**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तुबर 1980

सं० एस० श्रार० डी०/158/79-80--श्रतः मुझे सुखदेव भन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छिवत बाजार मूल्य 25,000/-र • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 10 मरले हैं तथा जो गांव हुमायूं पुर तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिक्षक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री प्यारा सिंह पुत्न श्री राम सिंह गांव हुमायुं पुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला ।
- 2. सर्वश्री सुरिन्द्र गोहन, सुशील कुमार, भुपिन्द्र कुमार विनोद भूषण व गीरीस मोहन पुत्र श्री हरबंस लाल निवासी रेलवे रोड, सरहिन्द मण्डी, जिला पटियाला। मार्फत कला राम, हरबंस लाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियाँ शुरू करता ह।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी धविध बाद में समान्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 10 मरले गांव हिमायुं पुर, तहसील सरिहन्द, जिला पिटयाला। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3577, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 10 मन्तूबर 1980

प्ररूप आई. टी. एत. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1980

निदेश मं० एल० डी० एच०/606/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० प्लाट क्षेत्रफल 251.11/25 वर्ग गज है तथा जो कुन्दनपुरी सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त ऑिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात्:— 1. श्री णिव चरन दास पुत्र श्री दीवान चन्द निवासी फिल्लौर, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुर्देशना चोपड़ा पत्नी श्री सुभाष चन्द्र घौपड़ा 637/1, कुन्दनपुरी सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिर्भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 251.11/25 वर्ग गज, कुन्दनपुरी सिविल लाईन, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5340, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 प्रक्तूबर 1980

प्ररूप भाई० टो ० एन० एस०----

आयक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

निदेश मं० एल० डी० एच०/593/79-80—-श्रत: मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रिधिक है, श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 13 ए/2 (क्षेत्रफल 457 वर्ग गज) है तथा जो टेगोर नगर, मिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण क्प में वर्णित है), रिजम्ट्रीकत्त्री श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेंग्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिमिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री ग्रात्मा सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह द्वारा उसकी जनरल पावर श्राफ ग्रटारनी श्री सर्वविरन्द्र सिंह निवासी गांत्र किलारायपुर, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री राम नाथ व श्रीमती सोमवन्ती पत्नी श्री सगली राम, निवासी प्रमनगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अम् सूची

प्लाट क्षेत्रफल 457 वर्ग गज नं० 13 ए/2 टेगोर नगर, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5200, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10 श्रक्तूबर 1980

प्रारूप भाई० टी० एन० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर/ 1980

निदेश मं० सी० एच० छी०/455/79-80:——श्रतः मुझे मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु• से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप कम फ्लैंट नं० 16 है तथा जो सेक्टर 10-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पति के खिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रश्नियम के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमतो सुरजीत कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह गांव घट्यां, तहसोल खरड, जिला रोपड।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री काणमीरी लाल पुत्र स्वर्गीय श्री राम चन्द्र एस० सी० एफ० नं० 16, सेक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़ा। (ग्रन्तरिती)
- 3. मैंसर्ज बंसल क्लाथ हाउस, एस० सी० एफ० नं० 16, मेक्टर 10-डी०, चण्डोगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सप्म्पत्ति है)

को यह सूचता जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में अजायन की ताराख में 45 दिन की सर्वाविया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचढ़ किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंग ।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का. जी सकत प्रिधिनयम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

एस० मी० एफ० नं० 16, सेक्टर 10-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2819, फरवरी, 1980 में दर्ग है

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, लुधियाना।

दिनाक 10 म्रक्तूबर 1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 भ्रम्तूबर 1980

निर्देश मं० एल० डी० एच०/569/79-80:—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 522 वर्ग गज है तथा जो चम्पा लाल गली, विपरीत पुलिस लाईन, सिष्टिल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्जोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रो मुनील कुमार पुत्र श्री प्रमृत लाल चम्पा, लाल गली, विपरीत पुलिस लाईन, सिविल लाईन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कोग्लयवती पत्नी श्री राम स्वस्प श्री अजय कुमार पुत्न श्री राम स्वरूप व श्री बलविन्द्र पाल पुत्न श्री राम स्वरूप निवासी मुहल्ला रूपा मिस्त्री, कुच्चा करतार सिंह मकान नं० 1244, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षाप:---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

वनुसुची

भूमि क्षेत्रफल 522वर्ग गज, चम्पा लाल गली, विपरीत पुलिस लाईन, लुधियाना। (जायदादजैसा कि रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संस्था नं० 4944, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांकः 10 ग्रक्तूबेरं 1980

प्ररूप धाई• टी• एग• एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीत गुबना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर **घायुक्**त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/452/79-80:---- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्सि, जिसका जोवड बाजार मूख्य 25,000/- कर से अधिक है

का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं 3285 हैं तथा जो सेक्टर
27-डी , चण्डीगढ़ में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी
में श्रीर पूर्ण रूप ये विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी
के कार्यालय, चण्डीगहु में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908
(1908 का 16, के श्रिष्ठीन, दिनांक फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृन्य से रूप के बृश्यमान श्रित्कल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उत्तक बृश्यमान श्रित्कल में, ऐसे दृश्यमान श्रित्कल का पन्तह प्रतिशत अधिक के ग्रीर चन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे झम्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, तिम्नविश्वित उद्देश्य के उक्त बन्तर कि लिए तम पाया गया प्रतिफन, विस्तिविश्व उद्देश्य के उक्त बन्तर कि लिए तम पाया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के पार्टिक का की अधिक्य के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 र 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धाकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया 19 20 किया ने संसुधिधा के 1000

त्रतः अम. उन्न अधिनियम की धारा १८४०म्य क धनुस्तरण में, भे, उन्त प्रकितिक की असा ३६०मा ३ व्यक्ति (1) के अधीन निम्नतिकि व्यक्तियों, त्रमधिः - ~ 8—326G1/80

- 1. श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री नागर सिंह निवासी मकान नं० 132, सेक्टर 18-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बरयाम कौर पत्नी श्री किरपाल सिंह, निवासी 1171, सेक्टर-20, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री सुभाष लखवा व श्री के० एल० शर्मा निवासी मकान नं० 3285, सैंक्टर 27-डी चण्डीगढ़

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के छर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी क्षविध बाद में समाप्त होती हो, के कीनर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द!रा;
- (ता) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लाना से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्योग, जो उबल अधि-निषम के अध्याय 20-अ में परिचाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं ० 3285 से स्टर 27-डी०, चण्डीगड़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के बार्यालय है विलेख संख्या नं० 2306, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज,लुधियाना

दिनांक: 10 ग्रक्तूबर 1980

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभ्य, सहायक वायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 धक्तूबर, 1980

निद्रोश सं० डी० बी० एस०/91/79-80:— स्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 13.5 बीगा है तथा जो गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा, बस्सी में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप, ं वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी, में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐपी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन स्पृक्तियों, अर्थात:--- 1. श्री मान सिंह पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह द्वारा उसकी जनरल पावर श्राफ श्राटारनी श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री माहिन्द्र सिंह निवासी गांव समद्ग तहसील राजपुरा, जिला पटियाला व श्री सुन्दर सिंह पुत्र, श्री राम सिंह गांव समद्ग।

(मन्तरक)

2. श्रीमती सुखजीत कौर बाजवा पत्नी मेजर जनरल कुलदीप सिंह व श्री मनदीप सिंह पुत्र मेजर जनरल कुलदीप सिंह बाजवा निवासी गांव कादिया, तहसील बटाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अगृत्या

भिम क्षेत्रफल 13.5 वीगा गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सी। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख मंख्यानं० 1034, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांकः 10 प्रक्तूबर 1980

मोहरः

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1**) के अधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1980 निर्देश सं० डी० बी० एस०/90/79-80—श्रतः मुझे, मुखदेय चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 14.10 बीगा है तथा जो गांव रामपुर कलां, हसब तहसील डेराबल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत कि निम्तिवित उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जकत ध्रिधि नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (अ) एक्षी कला आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियां को, इन्हें करस्ती । प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त श्रिश्चित्रम, या अकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तिक्तियों अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उक्त धीर्धानयम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, नै, उन्त पीर्धानयम, की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्नालिखन व्यक्तियो, तथात :--

- 1. मेजर जनरल कुलवीप सिंह बाजवा पुत्त श्री गुरिंदयाल सिंह बाजवा, निवासी कावियां, सहसील बटाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मान सिंह पुत श्री मोहिन्द्र सिंह द्वारा श्री गुरदियाल सिंह पुत श्री मोहिन्द्र सिंह, निवासी गांव समदू, तहसील राजपुरा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो सकत श्रिधिनियम के प्रष्ठपाय 20-क में परिभाषित है। वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भृति क्षेत्रफल 14.10 बीगा गाय रामपुर दलां, सर जाकीय देश बस्तो। (जायदाद जैना कि राजिस्ट्रीकर्ता आह-कारो १४ तहसील देश बस्सी के वायलिय के विस्ता क्षेत्रा मंठ 1017, फरवरों, 1980 में वर्ज हैं)।

> भुष्यदश्चन्यः नक्षाः प्राधिकार्यः सहायकः प्राधकारः प्राधुक्तः (निराद्धणः) प्रयोगारमः, सुध्यरोगाः

दिना है: 10 श्रक्तूबर 1980 महाः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

यान तर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रवीन सूचना

भारत सरकार

ार्थालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

निदंश म० सी० ए० डी०/447/79-80—श्रत मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का है अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपए में अधिक है

भीर जिसका मं० मकान ज्यावाद नं० 1863 है तथा जो सेक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्त्ता भिश्वकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1980 को पूर्वों त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय जरने का कारण है कि यथापूर्वों त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य में कम के उचित बाजार मूख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय जरने का विष्यू प्रतिभात से प्रधिक्त से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और उन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे प्रतिपक्त के निए जा पाया गया पतिफल निम्नलिखित उद्देश । उन्त प्रतारण निजीत में वास्तिक रूप से कथित नहा किया गया है:——

- (5) अन्तरण त हुई िहिमी भ्राप्त को बाबत उक्त भ्रष्टि-त्रियम, के अधीत कर दे। के अन्तरक के बायिख में कमी हरने या उमते बचने में मुतिधा के लिए; भ्रोर/या
- ् े हेर्न कि का कार या कि में धन या पन्य आस्तियों 1, तार्ने भारतीय ग्रामका प्रधिनियम, 1922 (1921 को 11) या उक्त अधिनियम, या अक्टर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीतिवार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यस या या किया जाना चाहिए या छिपाने में श्रीधा के लिए:

अतः अतः अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एकन अधिनियम की धारा 269-म की खपधारा (1) के अर्धान निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात् :--- श्री दलीप सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह 1863, सेक्टर 34-डी०, चण्डोगढ़।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जे०बा० ग्राहरी श्राई०पी० एस० पुत्र श्री जी० डो० भोहरी, 3 बी, भूपिन्द्रा नार, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता ह ।

उनत पर्म्पति हे प्रजीत ह परवन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रमध्य मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख ने 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी यन्य व्यक्ति ारा, प्रयोत्स्तक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

बस्युर्चाः

सकाम नं ॰ 1863 तहर 34-डी॰, चण्डोगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोक्ता प्रधिकार, चण्डीगढ़ के नायलिय के विलेख संख्या नं ॰ 2268, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, लुधियाना

दिनाक: 10 भ दूर 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 10 ग्रक्तूबर 1980 निदेश स०एग० डी० एच०/591/79-80—-ग्रत मुझे, सखदेव चन्द,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी की, यह विख्वान करने का कारम है कि स्थावर सपत्ति जिसका उवित्र बाजार मूला 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी स० प्नाट भूमि क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो बस्ती जाधेवाल, वाईपास रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, दिनाह फरारी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (ध्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्तलिजित उद्देश्य से उक्त अन्तरम निक्ति वें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रितयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनयम, 1922 1922 का 11) या उत्तन श्रीधिनयम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, मन्यान में युविधा के लिए;

ातः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथीत :— श्रोमती णान्ति देवी पत्नी श्री गोबिन्द राम, निवासी बस्ती जोधेवाल, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रोविन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी कोठी न० 498, नजदीक बस स्टैंड मलेग्कोटला, जिला सगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध मे कोई भ्राक्षप —

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन की श्रविध या तत्मस्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उका स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा प्रधोहस्लाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्पढडोकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राध-नियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याग मे दिया गया है ।

अन्हरनी

स्ति क्षेत्रकल २०) का ना स्वाह आवेताल, लिक्षिना। (कायदाद जॅसा कि गाइक्की क्षिणी, तृक्षियाना के वायतिक के क्षिलेख करण ५० 516), गावरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुनदेन वन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक नियार प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, लुधियाना

दिनाक : 10 श्रक्त्वर 1950 माहर

प्ररूप बाई ० टी ० एन ० एस ०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रजीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/590/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

श्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० भिम क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो वाईपास रोड, जोधेवाल, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा श्रिक्षिकारी के कार्यालय, लुधियामा, में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षिकारी के विनांक परियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, विनांक फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रिष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राप्त या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छ∓त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रसः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत :--- श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री सुन्दर दास निवासी श्रमरपुरा, तह्नमील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2 श्री भृषिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी कोठी न० 498, नजदीक बस स्टैण्ड, मलेरकोटला, जिला सगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्तोकन सम्पत्ति के प्रर्जन कं लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविवि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकेंगें।

स्पष्टी करण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ठ्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 400 वर्ग गर्ज, वाईपास, जोवेत्राल, लुधियाना। (जायदाद जैमा कि रोजम्ट्रीकर्ता प्रधिकारो लुधियाना के कार्यालय के विलेख सध्या नं० 5168, करवरी 1980 में दर्ज है)।

सु**खदेव चन्द,** सक्षम प्राधिकारी ह्ययक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, लुधियाना

दिनाक: 10 //ला 🗷 1980

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ध्रक्तूबर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/586/79-80—श्रत : मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० 564 एल० है तथा तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत भे अधिक ही और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से अधिन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, न्या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अक्रीन, जिम्मिलिखत ध्यवितयों, अधीत्--

श्री राम प्रकाश पुत्र श्री तुलसी राम, निवासी ए-3/104, जनकपुरी, नई दिल्ली, भ्रब 5642 माङल टाउन, लुधियाना।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती गंगी कान्ता पत्नी श्री चिरन्जी लाल निवासी मकान नं० 133-की, भास्त्री नगर, लुधियाना।

(मन्तरिती)

करें वह सूचना जारी करकें पृवांक्त सम्बत्ति के कर्जन के लिए कर्म्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन को तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20 कार्म परिभाषित हुँ, नहीं सर्भ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 564 एल, माउल टाउन, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सख्या नं० 5106, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेष भन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक : 10 भ्रम्तूबर 1980

मोहरः

प्ररूप य ई० टी• एन• एस•----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायृक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनोक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० एल०डी०एच०/579/79-80:--म्रातः मुझे, सुखदेव चन्द, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिले इसर्वे इसक पश्चात् 'खनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- एपए मे अधिन है श्रौर जिसकी स० 1/2 भाग कोठी न० 564 एस० है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना, मे स्थित है (ग्रांग इससे उपा-बद्ध भ्रनसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 1980, को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दे, ऐसे इष्टरमात यतिकत्का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है ग्रीर पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गत्रा प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश्य से उना प्रन्तरम लिजिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं** ितया गया है:---

- (क) प्रत्नरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी कियी आा या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर भधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रवः, एक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श्री राम प्रकाश पुत्र श्री तुलसी राम निवासी ए 3/104, जनकपुरी, नई दिल्ली श्रव 564 एल, माडल टाउन, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

 श्री श्रमोक कुमार पुत्र श्री जगन्नाथ निवासी बी-133, शास्त्री नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारीकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्नाक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि -नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोटी न० 564 एल०, माडल टाउन, लुधियाना (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5012, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर 1980

प्रकृप बाई०टो०एन०एस०--

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुयधयाना लुधियाना, दिनांक 10 स्रक्तूबर 1980

सं० एल० डी० एच०/585/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-1-822/6 हैं तथा जो प्रेम नगर, सिवल लाईन, लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐभ पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और धन्तरिक (भन्तरिकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए स्थ पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्टविक रूप ने कचित नहीं किया गण है कर्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रिष्ठिनियस की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--9-326GI:80 श्री राम नाथ पुत्र श्री नन्द लाल मारफत मकाम नं० बी-I-822/6, प्रेम नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रकाश रानी पत्नी श्री नागर मल निवासी 126, ईकबाल गंज, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी पार्जण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख ते 45 दिन की प्रविध या तस्मंत्रंगी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविक्षि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्तब∉ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पान निखित में किये जा सर्वेगें।

स्वव्ही करण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा 'छक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही बर्ष होगा जी उस प्रध्याय ने दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० वी-I-822/6, प्रेमनगर, सिविल लाईन लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5091, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 10 भ्रक्तूबर, 1980

प्रस्प माई० टी० एस० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, नुधियाना
लुधियाना, दिनाक 10 श्रक्तूबर 1980

मं० एल० डी० एच०/587/79-80.—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर घिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका छितित बाजार मूख्य 25,000/-म् से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-1-822/26, है तथा जो प्रेम नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त जपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबन, उक्त अधि-नियम, के अधीन करवेंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ै(ख) ऐसी किसी आय मा किसी उन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख व्यक्तियों, ग्रंथीत :--

1 श्री राम नाथ पुल श्री नन्द लाल, निनामी माकन न० बी-1-822/6, प्रेम नगर, सिवित लाईन, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्न श्री नागर मल निवासी मकान नं० बी-10-126- ईकबाल गंज, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर यूचना की नामील से 30 दिन की मविधि, जो भी धवारे बाद में समान्त होती हो, के मीतर पृथींक्त व्यक्तिया में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में 'किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण्ः--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-1-822/6, प्रेम नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (जायबाद जैंमा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता म्रिधि-कारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5117, फरवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 10 भ्रक्तूबर, 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के ब्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लिधियाना, दिनांक 10 श्रक्तुबर, 1980

मं० पी० टी० ए०/415/79-80:--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-च के अधीन सन्नम प्रधिनारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान जायदाद है तथा जो मेहमानदारी, नजदीक लोकल बम स्टैड, पटियाला में स्थित है

(और इसने उपाबद्धे अनुसूची में और पूर्ण क्य मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिका के निए प्रत्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का गंधत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निल्वित निल्वित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण में दुई िक हो आप की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (उ) ऐसी किमी श्राय या किसी अन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर स्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्रिधिनियम, या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थातः --- श्रीमती किरपाल कौर विधवा पत्नी श्री कुलदीप सिंह विवेणी, भौक, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मदन खोसला पुत्र श्री गौरी गंकर निवासी 7730/5, देसी मेहमानदारी नजदीक लोकल बस स्टैंड, पटियाला डा॰ ऊषा भण्डारी पत्नी श्री मदन खोसला, डैंटल सर्जन, सिबिल हस्पताल, टोहाना, जिला हिसार (हरियाणा)।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

धक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी यन स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त स्रधि-निरम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ ोगा जो उत्त प्रध्याय मंदिया गया है।

अनुसूची

मकान जायदाद देसी मेहमानदारी, नजदीक लोकल बस स्टैंड पटियाला, '(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीवर्त्ता प्रधिकाी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5767, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 10 म्रक्तूबर 1980

प्रकृष भाई टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ध्रवतुबर 1980

सं० ए० एम० एल०/136/79-80—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः,

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बीगा है तथा जो गांव जसरा, सब तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 फरवरी, 1980 को

उत्तार, वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाका सम्पत्ति का उचित बाजार बूस्थ, उनके वृश्यमान अतिकन से ऐस दृश्यमान प्रतिकन का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अत्रिती (प्रन्तरितयों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाशा गया प्रतिफल, निम्तलिखित छदेग्र से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम म हुई किसा पाय की बावत, उक्त अधि-तियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के गयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किनी पन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अध्वानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्राधानयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया के विशा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः, उक्त अधिनियन की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त यधिनियम की धारा 269-य की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत:---

 श्री नारोता सिंह व श्री सुर्जन सिंह पुत्र श्री रुलिया निवासी गांव नसराली, मण्डी, गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लीला बंती पत्नी श्री विद्या प्रकाश श्री दलबारा राये पुत्न श्री विद्या प्रकाश श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री काविद्या नाथ, श्री पुरुषोत्तम दास पुत्न श्री फकीर चन्द निवासी मण्डी गोबिन्दगढ़ व श्रमर निहं पुत्न श्री मेहर सिहं व सर्वे श्री बलबीर निहं, मेजर निहं पृत्न श्री श्रमर निहं निवासी गाव जगरा डाकखाना मण्डी गोबिन्दगढ़ जिला पिटयाला श्री सुनील दत्त पत्न श्री काविन्दर नाथ श्री मदन गोपाल पत्न श्री परषोतन दास निवासी मण्डी गोबिन्दगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त समाजि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इम र्जना के राज्यत र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का प्रशिष्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत न 30 दिन की प्रबंधि, जी भी प्रप्रधिकाद में समाध्न होती डा. क सार र्जान व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति हारा,
 - (ख) इप नचना के राजरत के राजातन की नारी जासे 45 दिन के भीतर छात स्थावर सम्बन्धि में निजब किसी अस्य स्थानि द्वारा, अधोहस्ताल रोके पास लिखित में किए जा पहुँगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रक्षितियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयंही एको उस सक्ष्यय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीगा, गांव जसरा, सब तहसील प्रमलोह (जायदाद जैसा किरजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1960, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10 ग्रन्तूबर 1980

चन्द,

प्रस्व श्राई०टी०एन०एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक सायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रवनूबर 1980 सं० ए० एम० एल०/134/79-80---श्रनः मुझे सुखदेव

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 बीसवा है तथा जो गांव कुक्कड़ माजरा, सब तहसील श्रमलोह, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची

में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह, मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान, फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वास्त मंगित का उचित पातार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकता, ऐन दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और सन्तरक (प्रतरकों) और सन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रनारग के निए तम पाया गा। प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उचन प्रनारण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उत्रत प्रशितियम, की धारा 269-ग के श्रतुसरण में, उक्त ग्रिधिनियम हो धारा 239-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्निखित व्यक्तियों धर्धातः --- 1. श्री गोपी चन्द पुत्र श्री नाराता राम निवासी श्रहमद गढ।

(अन्तरक)

 श्री हरिजन्द्र सिंह पुत्र श्री बलहार सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह, निवासी राजपुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी व ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रति में हिन वद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राध्टोकरन:---इपर्ने प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

भूमि क्षेत्रफल 10 बीसवा, गांव कुनकड़ माजरा, सब तहसील, अमलोह (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1890, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लुधियाना

दिनांग : 10 अत्तूबर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 भ्रवतूबर 1980

सं० ए० एम० एल०/138/79-80:—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उका पवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यायर समात्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 मीसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह में स्थित है (श्रौर इससे उपावक अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमलोह मे, रिजस्ट्रीकरण, श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 2 फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न, निम्नलिखित उद्देश्य में उनन अन्तरण लिखिन में बास्तविक ष्य म कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा)

श्रतः श्रव, उक्त श्रिश्चिनयम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्ष्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री लाभ सिंह पुक्त श्री श्रमर सिंह निवासी गांव कुक्तड़ माजरा डाकखाना मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन कुमार मोदी व गुलशन कुमार मोदी पुत्र श्री हुकम चन्द निवासी मण्डी गोबिन्दगढ़ श्रब मारफन मैंसर्ज दर्शन कुमार गुलशन कुमार मोदी मोतिया खान रोड, प्रमलोह रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी मविध बाद में लमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों भीर पक्षों का, जो उक्त ग्रिथिनियम के श्राध्याय 20-क में परिकाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस धड्याय में दिया गया है।

प्रनुसूखी

भूमि क्षेत्रफल 10 बीसवां गांव कुकड़ माजरा सब तहसील श्रमलोह (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1987, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सु**खदेव चन्य** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1980

प्ररूप आई¹. टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, नुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980

सं० ए एम० एल०/139/79-80:----- अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 वीसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, सब तहसील अमलोह, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त संपीत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सर्थात्:—

 शी असवन्त सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह निवासी गाँव कृकड़ माजरा डाकखाना मण्डी गोविन्वगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अजिन्दर कुमार जैन पुत्र श्री मित्तर सैन व श्रीमती ऊषा रानी पत्नी श्री अजिन्द्र कुमार निवासी वार्ड नं० 6, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्यव्होकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 वीसवा गांव कुकड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह (जीयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1988, फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 10 प्रक्तूबर 1980

प्ररूप भाई० हो। एन० एन०-----

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) कं अधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1980

सं० एल० डी० एच/607/79-80:----ग्रतः मुझे सुखदेव चन्दः

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके श्वान् 'उनन प्रितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपसे से मिधक है

प्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 487 प्रार है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कुम के दृश्यमान प्रतिकन के निए अन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है भीर पन्तरक (धन्वरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में शस्नविक सुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (मा) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रपाजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपन्नारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।—

- ा भी बहादुर पिंह पुल श्री बासाया सिंह निवासी एम-79. प्रेटर कैलाण-री, नई दिल्ली-18।
- 2. श्रीमती श्रमरजीत कौर पत्नी श्री माहिन्द्र प्रताप सिंह निवासी 56 ब्राउन रोड, लुधियाना।
- अभे राज कुमार व श्री कृपाल सिंह निवासी कोठी नं० 487 ग्रार०, माडल टाउन, लुधियाना। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सप्पत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्मिल के प्रजैत ने सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त दोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी श से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत अधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस भव्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

कोठी नं 487 श्रारः, माडल टाउन लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं 5350, फरवरी, 1980, में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 10 श्रक्तूबर 1980 मोक्षर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1980

स० एल० डी० एच $\left|602\right|79-80:$ —म्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

क्षायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

स्रीर जिसकी मं० प्लाट क्षेत्रफल 261 वर्ग गज है तथा जो विणकर्मी टाऊन, गली नं० 3, लुधियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रिजस्ट्री-वरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, खौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, एक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिधीन निम्नितिखित व्यक्तिनयों, अर्थात .→ 10—326/GI—80 1. सर्वश्री हिम्मत सिंह, जसवीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी गांव बेहएना, तहसील रायकोट जिला लुधियाना द्वारा उनके जनरल पावर श्राफ श्राटारनी श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह, 245 एल०, माडल टाउन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसंज देस राज जनता आईस फैकट्री, विश्वकर्माटाऊन, गली नं० 3, लुधियाना द्वारा उनके पार्टनर सर्व श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह करतार देवी पत्नी श्री देस राज, विमला देवी पत्नी श्री लेख राज, कृष्ण लाल पुत्र श्री हंस राज बाल मुकुन्द पुत्र श्री मोहरी राम व श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गुरबख्श सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप प्वता के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धो व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को नारोज से 45 दिन के भीतर छना स्थावर पम्पति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:--इपमं प्रपृक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रांध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अयं होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 261 वर्ग गज विशवमाँ टाऊन, गली 3, लिधयाना । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5319, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 10 ग्रक्तूबर 1980

प्ररु। आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अभिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2494 (1) के यधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या लयसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 प्रक्तूबर 1980

निदेश स० वी० श्रार० एन०/139/79-80—-श्रत मुझे सुखदेव चद,

आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके मण्यात् 'उक्त अधिकिन्म' रहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पश्चम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार ज्यानि किएका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान, व भिम क्षेत्रफल 61 मरले है सथा जो बरनाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, फरवरी 1980,

को पूर्तोक्त सपान के तिचत गतार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है थोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूराकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यात गितरल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत से गा है और प्रतिर (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरियों) ह बोच से अन्तरण लिए तय पाया गय प्रतिफल, निम्तल गत छद्देष्य से उस्त प्रतरण लिखतमें वाश्विक का क्वित नहीं किया गया है लक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत उयत अधि-**नियम के प्रधीन कर वेने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या त्रसने यचने में सुविधा के शिए; शीर/या
- (ख) तेसी किसी प्राय या किनी घन या अन्य आस्तियों की, जन्द भारती आयकर प्रधितियम, 1922 (1 ' 11) या उक्त अधितियम, या धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्ति। ती रापा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उना अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अधीन :-- 1 श्रीमती निर्मेला देवी पत्नी श्री चाटसा पूर भी रामजी दास निवासी घरनाता।

(म्रन्तरक)

2 श्री राम गोपाल पुत्र श्री खेता राम पुत्र श्री सरना मल श्रग्रवाल निवासी बरनाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्थात के वर्षत के लिए कार्यवाहिया करता हूं

उनन सम्मत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र प प्रकाशन की अगोध से 45 दिन की अवधि या उत्पास्ता कि व्यक्तियों पर मूचना की तामोज से 3) ि की अविधि, प) अवधि बाद में प्रपटन गरा हो, के भी र मित व्यक्तियों प किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पात ने हिनकद्व किसी अन्य न्यांक्त दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वब्दी करण --इसमें प्रथमन शब्दी और गड़ी क जी उपन अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जी उन अध्याय व दिया गया है।

अनुसूची

मकान व भृमि क्षेत्रफल 61 मरले जो रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख सख्या न० 6759 फरवरो 1980 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, लिंधयाना ।

दिनाक : 15-10-1980

प्ररूप धाई । टो । एन । एस । -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

ार्थातम, महायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश स० बी० म्रार० एन०/138/79-80--- म्रत मुझे, मुखदेव चद, आयकर अधिकाम, 1961 (1961 का 43) इपर्ने इसके परचात 'उनन अधिनियम कहा गया है), को बारा २ : ५ व े अधीन सक्षम प्राधिकारी । विषयाप जरने । नार्य र ि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मुच्य े ,७७०/- ६०। ग्रौर जिसवी स० मकान व भिम क्षेत्रफल 61 मरले है तथा जो बरनामा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के भार्यात्र्य, वरनाता । एकिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सबीन, दिनाक 2 फरवरी, 1980। को पूर्वो स्नारक का ना पा ता ना पूर्ण सक्रम के दुश्यमान प्रति-फल के लिए उन्होरें। हा 16 है योग उसे पह निष्वास करने का कारण है कि यथा भें। सम्पत्ति 🕆 उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रिस्तिन से, ऐसे दृश्यसान प्रतिफल का पन्द्रह ारात रधिन है। अन्तरक (जनरको) और **अन्तरिती** (जन्तारो। ।।) के एच ऐक प्रकारण के लिये तय पाया गया प्राफन, मिनलिपित उन्देश्य से उन्न अन्तरभ लिखित मे अस्तविक पाते कथित नहीं किया गया है :---

- (ह) प्रारा ा हुई किसी प्राप की बाबन अक्त अधिका के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के कार में की करने या उसपे वचने में सुविधा के किए औं /या
- (ख) एतो किसी जार या किसी धन या अन्य पास्तियों को कि भारतीय जाय-कर पश्चिनियम 1922 (1922 का १४) रा उन्त प्रश्चिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या प्राप्तियों अन्तरितों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना पाहित था, खिपान में सुविधा के सिए।

अतः अब, इन्तं प्रीक्षात्रयम की धारा 269 ग के वनुसरण रे में, उक्त काऽि को प्रा कि धकी उपवारा 1) के अधीन, निक्नीपाळच व्यक्तियों अधीन .-- 1. श्री राम गोपाल पुत्र श्री खेता राम पुत्र श्री सरना मल निवासी लोगावाल बरनाला।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री सूरजभान पुत्र श्री वलैती राम अग्रवाल निवासी बरनाला।

(ग्रन्तरिती)

को य**१ भूचना जारो कर**क पूर्वीका सम्मति के अर्जन के <mark>लिए कार्यवाहियां कर</mark>ता _{है} ।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा आक्षा :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तसवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील ५ 30 दिन की प्राधि, जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती हो ह मीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी सावित हारा,
- (ख) इस सूचना के राजनाव एवं का एए एक एक स्थान के भीतर ताल स्थान के एक किसी अल्थ व्यक्त कार, गाँव एक के एस लिखित में कर्जा सहये

स्वदशकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो ।, । उन्त अधिनियम के अवस्य ।)- । । रिसाधि। है, वहीं अर्थ हो।। जो उन अवस्य में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान व भिम क्षेत्रफल 6} मरले जो रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख भड़्या न० 6758 फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन ें ज, लुधियाना

दिनांक 15·10-1980 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा
269 थ (1) के स्थीन सुवना
भारत सरकार

सुखदेव चन्द्र, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उ≉त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क्पये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी०-17-49/69 पी० है तथा जो मुहल्ला हरपाल नगर लुधियाना मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी,1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात पश्चिक है ओर धन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियो) क बीच एसे भन्तरण क लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत:, अब, उष्ट अधिनियम की घारा 269 ण के अनुसरण में, में, उक्न अधिनियम की घारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अथौत:— श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री जगत सिंह माडल, टाऊन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भूषिन्द्र नाथ सहगल, एडवोकेट 909/1 ए०, टैगोर नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(ग्रन्सरिती)

3. श्री सिरी पाल जैन, श्रो० मैसर्ज जैन एण्ड कम्पनी, गोपाल रोड, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं।)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्रधिनयम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

मकान न० मोहल्ता बी-17-49/69 पी०, हरपाल नगर, लुधियाना (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5049, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनाक: 10 श्रक्तूबर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० बी० स्रार० एन०/140/79-80—स्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान व भूमि क्षेत्रफल 61 मरले है तथा जो बरनाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, शौर अन्तरिक (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अल्परक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— श्री रूप चन्द पुत्र श्री नंद राम पुत्र श्री बंसी राम भ्रम्रवाल निवासी बरनाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री चांद लाल पुत्र श्री राम जी दास श्रग्रवाल निवासी बरनाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इप सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन को श्रविध, जो भी श्रविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिबिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उन ग्रध्याय में दिय! गया हैं।

धनुसूची

मकान व भूमि क्षेत्रफल 6‡ मरले जो वरनाला मे स्थित ह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6760 फरवरी 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० बी० श्रार० एन०/141/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रापिकारी कर, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- श्रौर जिसकी सं० भिम क्षेत्रफल 6¼ मरले व मकान है तथा जो बरनाला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बरनाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गरत को गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री रूप चंद पुत्र श्री नंद राम पुत्र श्री बंसी राम निवासी बरनाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वास देव पुत्र श्री सूरज भान पुत्र श्री वलैती राम दा मुतबाना पुत्र निवासी बरनाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी, व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिर की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित ह⁴, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो.

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल उ मरले सहित मे मकान बरनाला में स्थित है) ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6761 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनाक: 15-10-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० बी० श्रार० एन०/143/79-80-श्रतः मुझे,

मुखवेब चंद, आयर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' एहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ठारण हैं कि स्वावर नम्मत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में श्रिधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० धृमि क्षेत्रफल 8 कनाल 17 मरले हैं तथा जो गांव इनडयाया नहसील वरनाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वरनाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विषवाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रक्तरक (यन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रक्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग से उक्त प्रक्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीर स्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:--

- श्री दक्षाल रिष्ट पुर की दर्श कि पृक्ष श्री महत्ताब सिंह निवासी गांव हनडयाया तहसील बरनाला । (श्रन्तरक)
- श्री भ्रोम प्रकाण गुप्ता पुत्र श्री माधो राम पुत्र श्री मुंणी राम निवासी बरनाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त लम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को श्रविध, जो भी श्रविध बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन पूत्रना के राजान में ग्राणा की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर पम्मित्त में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति दारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरण:--द नमें प्रमुखन गब्दों सीर पदों हा, जो उन्त अधि-नियम के अध्याप 20 ह में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याप में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 17 मरले, गांव हनडयाया, बरनाला (जायदाद जैसा कि रिजर्झावर्ता श्रिधवारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6986 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव घंद, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना,

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० बी० श्रार० एन०/144/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चंद,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल है तथा जो गांव हन इयाया तहसील बरनाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक क्षी ग्रिधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रिजस्ट्रीक रण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980। को पूर्वों कत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास में कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः— सर्व श्री मुख्तयार सिंह, नाहर सिंह पुत्र श्री किरपाल सिंह व श्रीमती शाम कौर विधवा श्री किरपाल सिंह निवासी गांव हुन्डयाया तहसील बरनाला।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स विजे पोलट्री फार्म, बरनाला द्वारा श्री विजे गुप्ता श्री स्रोम प्रकाश गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

ल्यष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल गांव हनडयाया तहसील बरनाला (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकत्ता श्रिधकारी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6987 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रूष्ण आह^र. टी. एन. एस.————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रवतूबर 1980

निर्देश सं०पी० टी० ए०/416/79-80---श्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० 2477/1 है तथा जो राम गली नजदीक सेवा सिमिति स्कूल पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिन्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

11-326GI/80

1. श्री मदन मोहन पुत्र श्री भारत प्रकाश 1299 संक्टर 22 बी० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री गुरमुख सिंह पुत्न श्री अमर सिंह राम गली, पटियाला। नजदीक लार्ड कालेज बिल्डिंग)। (श्रन्तरिती)
- श्री बंगकत स्वरूप गोयल मार्फत "माई कालेज", श्ररना बरना चौक पटियाला।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह स्चना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- प्रविध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनसूची

हिस्सा मकान नं० 2477/I राम गली, नजदीक सेवा समिति स्कूल, पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विश्वेष २३४ २० 5578 फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

मोहरः

प्ररूप आर्ड्ड टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० पी० टी० ए०/416 /79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० हिस्सप् मकान नं० 2477/1 है तिथा जो रा० गली नजदीक सेवा सिमिति स्कूल पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री मदन मोहन भुन्न श्री भारत प्रकाश 1299 सैक्टर
 22 बी० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती त्रविन्दरकौर पत्नी श्री मोहिन्द्र सिंह निवासी राम गली पटियाला । (श्रन्तरिती)
- श्री बगवंत स्वरूप गोयल मार्फंत ''भाई कालेज" बरना, चौक पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दौ और पदों का, लो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

हिमा मकान नं० 2477/I, राम ुगली ॄ्नजदीक सेवा समिती स्कूल पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सया नं० 5577 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रारूप आई • टी • एन • एस •----

ग्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० ए० एम० एल०/141/79-80-- स्रतः मुझे सुखदेव चंद,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 1, वार्ड नं० 2 है तथा जो गांव कुकर माजरा, मण्डी गोविन्द गढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कर्णालय, श्रमलौह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-गं के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा के ग्रधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- 1. श्री जोगिन्द्र सिंह भुत्र श्री जगत सिंह निवासी गांव व डा० बसी पहाना जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री तारा सिंह पुत्र श्री नथा सिंह जनीयर टरांस्लेटर, पंजाब विधान सभा चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त झांध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 1 वार्ड न० 2, कुकर माजरा, मण्डी गोविन्द गढ़ तहसील अमलोह के कार्यालय के विलेख संग्नं० 2017 फरवरी 1980 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० ए एम एल /135/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव चंद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 बीघे 1 बिसवे हैं तथा जो गांव कुकर माजरा तहमील ग्रमलौह, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलौह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रितफल से, एसे द्रयमान प्रितफल का पन्द्रह प्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाते में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरम म मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री कृष्णा निवासी गांव कुकर माजरा डा० मण्डी गोबिन्दगढ़ जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स भ्रंबे इण्डस्ट्रीज मंडी गोविन्दगढ़ द्वारा श्री सुभाष कुमार पुत्र श्री स्वरूप चन्द मण्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला। मार्फत धर्म स्टील इण्डस्ट्रीज, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघे 11 बिसवे, गांव कुकर माजरा, तहसील श्रमलौह,

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी अमलौह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1894 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

धायकर घिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० पी०टी०ए०/421/79-80—स्रतः मुझे सुखदेव चंन्द.

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० हिस्सा कोठी नं० 2040/5 है तथा जो राजबाहा रोड़, लैहल, पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिनियम के घधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण म, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री महेश इन्द्र सिंह पुत्न श्री दलीप सिंह जिला व सेशन जज (रिटायर्ड) लैहल, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी भटनूरा जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

हिस्सा कोठी नं० 2040/5, राजवाहा रोड़, पिटयाला । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी पिटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6050 फरवरी 1980 में दर्ज है) ।

सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रमाय आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० पी०टी०ए०/422/79-80--श्रतः मुझे सुखदेव चंदः

मायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० हिस्सा कोठी नं० 2040/5 है तथा जो राजवाहा रोड़, पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को प्रांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्रीमती निरंजन कौर विधवा श्री दलीप सिंह रिटायर्ड सेंसन जज, लैहन, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री लाल सिंह गांव भटनूरा जिला जालंधर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

हिस्सा कोठी नं० 2040/5, राजवाह रोड़, लैहल, पटियाला (जायदाद जैसा के रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6051 फरवरी 1980 में दर्ज है) ।

सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आई० टी• एन० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० डी०बी०एस०/92/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 12 कनाल 10 मरला है तथा जो लौहगढ़ डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

श्रीमती सुपमा गुलाटी पत्नी श्री जे० पी० गुलाटी (2) श्री विजय नागपाल व (3) नीना पुत्र व पुत्री श्री गिरधारी लाल (4) श्रीमती उर्मिल नागपाल पत्नी श्री विपिन चन्द्र नागपाल (5) श्रीमती रमेश्वरी पत्नी श्री गिरधारी लाल मार्फत पावर श्राफ ग्रटौरनी श्री विजय नागपाल 3140/21 डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती राज रानी चन्डोक पत्नी कुलदीप राय (2) पूनम चन्डोक व (3) पल्लवी चन्डोक पुत्नीयां श्री कुलदीप राय चन्डोक 2217 सैंक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 12 कनाल 10 मरला,गांव लोहगढ़ (डेरा बस्सी) (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी डेरा बस्सी के विलेख नं० 1082, फरवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चद, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज,लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

अ≀यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश मं० ए०एम०एल०/137/79-80—-श्रतः मुझे मुखदेव चंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, निसका मृत्य 25,000/-रुपये से थ्रौर जिपकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 बीघे 10 बिसवे है तथा जो गांव धुकर माजरा, श्रमलीह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमलौह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के धुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे** दुस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिवी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम से दुई किसी प्रायकी बाबन खकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- शी गुलजार सिंह पुत्र श्री कृष्णा निवासी गांव कुकर माजरा डा० मंडी गोबिन्दगढ़ जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2 मैं मसे बूटा इण्डस्ट्रीज दुकारा श्री जोगिन्द्रपाल पुल्ल श्री सोहनलाल मन्डी गोबिन्दगढ़। (नजदीक धरम स्टील इण्डस्ट्रीज)

(श्रन्दिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्तन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण: ---इमर्ने प्रवृक्त सक्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघे 10 बिसवे, गांव कुकर माजरा तहसील श्रमलौहा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी श्रमलौह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1967 फरवरी 1980 मे दर्ज है)।

> सुखदेव चंद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980 निर्देश सं० लिधयाना/588/79-80-- ग्रतः मझे सुखदेव चंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 6/10 हिस्सा मकान न० बी०-12-488 है तथा जो जेल रोड नजदीक फील्ड गंज, लिधयाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सुची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापर्वाक्त मंपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में स्रिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:--

12-326 G1/80

1. सर्वेश्रो दर्णन लाल, सत्याल पत्न श्री लख्मी दास निवासी महान तं० 85. शिवपुरी, पहाइगज नई दिल्ली-51

(ग्रन्तरक)

2. श्री बखतावर मिह पल श्री विरयाम सिंह निवासी मकान नं वी-12-660, नजदीक डिवीजन नं 2 लिधयाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खवाराः
- (ख) इस अचना का राजधा या जानावा थी। तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपरित मे हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिन्हां में किए जा सर्कारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में यया है।

अन्स्ची

6/10 हिस्सा मकान नं० बी-12-488, जेल रोड नजदीक फील्डगंज ल्धियाना।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या न० 5/55 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चंद, नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कायौलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना,दिनांक 15 प्रक्तूबर 1980 निदेश सं० लुधियाना/589/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चंद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से प्रजिक है

स्रोर जिसकी स० 4/10 भाग मकान नं० बी-12-488 है तथा जो जेल रोड, नजदीक फोल्ड गंज, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपबंड श्रनुसूची न श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजर्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतृ कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः घर, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रीमतो केमरा देजविधवा श्री लख्मी दास श्रीमती सिमतरा देवी पुत्री श्री लख्मी दास श्री बूटा राम पुत्र श्री लख्मी दास निवासी सी:-243, विवेक बिहार, विल्ली-32।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री बखताबार सिंह निवासी बी-12-660, नजदीक डिविजन नं० 2 ल्धियाना।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

श्रनुसूची

4/10 हिस्सा मकान नं०बी-12-488, जेल रोड फील्डगंज, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजम्ट्रीक्त्ती अधिकारी ल्धियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5156 फरवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 15-10-1980

मोह:र

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----भायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० भवानीगढ़/27/79-80--श्रतः मुझे सुखदेव चंद,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मृमि क्षेत्रफल 23 बीघे 12 बिस्वे हैं तथा जो गांव चनों, भवानींगढ़ स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री हत्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात:—

- श्रीपवन कुमार पुत्र श्री गांधी राम, मेनेजिंग डारेक्टर, पजाब ब्रवरीअज व डिसटलरीज प्राईवेट लिमिटेछ, यनो हैंड श्राफिस 5058/5, सरधा निवास, ग्रजीत नगर, पटियाला। (श्रन्तरक)
- मैल्स पंजाब इंजीनियरम कटिकंग टूल्ज लिमिटेड, डिजिसिटरड श्राफिस एस० मी० श्रो० 54-56 सेक्टर 17-ए-चण्डीगढ़। हैंड श्राफिस 5¹⁷, डिलो मार्ग, पटियाला।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 23 बीघे 12 बिस्ये जो गांव झनो तहसील भवानीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्राधिकारी भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 1221 फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चंद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० लुधियाना/570/79-80---- प्रतः मुझे सुखदेव चंद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका जांचत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० मकान है तथा जो जमु कालोनी लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्ग को गई है और मूफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः--

श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्रो पूर्ण सिंह द्वारा श्री ग्रमर सिंह पुत्र श्रो धन्ना सिंह निवासी रायकोट जिला लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह पृत्व श्री मेहर सिंह भकान नं० 2578/12, गली र्न० 10, जमू कालोनी लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

मकान जम्मू कालोनी लुधियाना (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय के विलेख सं० न० 4948 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजल रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रक्ष मार्थ टी । एन । एस • --

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

नुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश स० लुधियाना/599/79-80---श्रतः मृझे मुखदेव चंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- हाये से अधिक है

न्नीर जिसकी मं० मकान नं० बी-एक्स० एक्स-1119/6 है तथा जो गुरदेव नगर लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रधितियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अत्र, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका प्रथितियम की धारा 269-च की उपंधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:--- 1. श्रो पाल सिंह पत्न श्री मल सिंह मकान न० बी-बी-एक्प-एक्प-1119/6, गुरदेव नगर लुधियाना। (श्रन्तरक)

श्रो दलीप सिंह पुत्र श्री चानन सिंह निवासी कैलपुर, तहसील लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो कर एप्विंका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० बी-एक्स एक्स-1119/6 गुरुदेव नगर लुधियाना । (जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मख्या नं० 5272 फरवरी, 1980 में दर्ज हैं।

> मुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

न् धियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० रूप नगर/28/79-80—- प्रतः मुझे, मुखदेश खंद
ग्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक हैं और जिसकी सं० भृमि क्षेत्रफल 183 बिघे 2 बिसवे हैं तथा जो गांव खारोटा तहसील रूप नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजरट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रूप नगर में, रिजम्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरह (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित ग्रदेश के उका अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रर्थात्:— श्री सातिन्द्र सिहपुत श्री श्रमकाऊ सिह् 90 सेक्टर 8-ए-चण्डीगढ़ द्वारा श्री राम दास पत्न श्री कुंदन लाल 90 सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री चिरंजी व सारूप पुत्त श्री हरी राम निवासी बड़ा पिंड सर्वश्री तिलोक मिंह व रणजीत मिंह पुत्र श्री नरोता मिंह निवासी बड़ा पिंड सर्वश्री दर्शन सिंह व पाल मिंह पुत्र श्री मतोख सिंह निवासी बड़ा पिंड सर्वश्री बड़ा पिंड सर्वश्री बलदेव सिंह व बलबीर सिंह व बलविन्द्र सिंह युव्र श्री इन्द्र सिंह गांव बड़ा पिंड तहमील रूप नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्वों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

्अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 183 बीघे 2 बिसवे गांव खारी तहसील रूप नगर।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी रूप नगर के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3089, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रस्प ब्राई० टी० एन० एस०----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के यधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 अक्तूबर 1980

निर्देश स० एत० डी० एच०/618/79-80---- प्रत मुझे सुखदेय चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 1/2 भाग मकान नं० बी०-16-1345/ए० हैं तथा जो मोहल्ला श्रीत नगर लिंक रोड लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धौर अन्तरक (प्रनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐस अन्तरम कि निए तय गया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तयिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत उक्त श्रिष्टि-नियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न प्रिधिनियम, या धन एउ प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तरिणा अभिन्यों, प्रधान:---

- (1) श्री प्रजैन सिंह पुत श्री तुलसा सिंह निवासी प्ल मुधार जगराऊ, जिला लुधियाना ।
 - (2) श्रो केहर सिंह पुत्र श्री तुलसा सिंह, बी-16-1185/ 17 गलीन ० 1 मोहल्ला प्रीत नगर, लिंक रोड, लुधियाना
 - (3) श्रो गुरुदयाल सिंह पुत्र श्री तलसा सिंह, 398 बार्ड नं० 6 नई कालोनी।
 - (4) श्रो हरी सिंह पुत्र श्री तूलस सिंह, कोठी न० 4, सैक्टर 21 ए, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2 सर्व श्री हरदित सिंह, श्रमरजीत सिंह, मनप्रीत सिंह पृत्र श्री हिम्मत सिंह व श्रीमती जसवत कौर पत्नी श्री हिम्मत सिंह निवासी 422-एन०, माङ्गल टाऊन-लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना क राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की ग्रविश, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पान लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टोकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा खो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान न० बी-16-1345/ए०, मोहल्ला, प्रीत-नगर, लिक रोड, लुधियाना ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 5551, मार्च 1980 मे दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनाक: 15-10-1980

प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

अगयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-च (1) के प्रचीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० लुधियाना/571/79-80—श्रतः मुझे मुखदेव चंद,

म्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-16-1345/ए० है तथा जो मोहल्ला प्रीत नगर, लिंक रोड़, लुधियाना में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र इ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित खदेश्य से उक्त अन्तरण, निक्तित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन त्या भन्य भास्तियों को जिन्हें भनरतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के भवुतरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-प की उपवारा (1) के अधीन, निष्निविचल व्यक्तियों भवीत :--

- 1. (1) श्री म्पर्जन सिंह पुत्र श्री तुलमा सिंह निवासी पुल सुधार तहसील, जगराष्ठ, जिला लुधियाना।
 - (2) श्री केहर सिंह पुत्र श्री तुलसा सिंह निवासी B-16-1185/17, गलों नं० 1 मोहल्ला प्रीत नगर लुधियाना।
- 3. श्री गुरिंद्याल सिंह पुत्र श्री तुलसा सिंह निवासी 398-वार्ड नं० 6 नई कालोनी थानेसर जिला कुरुक्षेत्र।
 - (4) श्रीहरी सिंह पुत्र श्री तुलमा सिंह निवासी कोठी नं० 4, 21ए, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

. श्री गुरूदीप सिंह पुत्र श्री निहाल मिंह श्री सातिन्द्रपाल मिंह पुत्र श्री मान सिंह 416-एल० माडल टाऊन, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:--

- (क) इस मूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त भवि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जी उस अध्यास में दिया गया है।

धनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-16-1345/ए०, प्रीत नगर, लिंक रोड़ लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4949 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, तहारक आयकर प्रामुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० बरनाला/145/79-80——ग्रनः मुझे सुखदेव चंद आयक्तर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६ममें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के प्रधीन गक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारंग है कि स्यावर मध्यति, जिसका उचित्र बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम क्षेत्रफल 15 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव हन इयाया नहसील बरनाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ध्रधिकारी के कार्यालय, बरनाला मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रतिरित की गई है प्रीर मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है प्री अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के निए तर पाया गरा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रन्तरम लिखित में सहाविक हा से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरंग न हुई किनो प्राय को जाबन उपन अधि-नियम के श्रयीत कर देने के प्र⁴तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त किसी धन या प्रश्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ब्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के भ्रनुसरण में, मै, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अप्रोत, निस्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात :---13--326GI/80 श्री निहाल सिह पुत्र श्री कर्म सिह पुत्र श्री प्रताप सिह गांव हनक्याया नहसील बरनाला।

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्म संदीप पोलड़ी फार्म बरनाला द्वारा श्री स्रोम प्रकाण गुप्ता पुत्र श्री माधी राम।

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त समात्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटी तर्ग: --- इन में प्रमुता ग्रन्थों प्रीर पर्शो हा, जो उन्हा अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 12 मरले गांव हनज्याया तहमील बरनाला ।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या न० 6988 फरवरी 1980 में दर्ज है।

> सृखदेव चंद, मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

विनाक: 15-10-1980

प्रकप पाई॰ दी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० पटियाला/420/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेव चंद,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिवितियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मूल्य 25,000/-क्पये से श्रीधक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 13 मरले है नथा जो गांव जिला, पटियाला में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगित का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्टह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बाहन-विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रम्परण स हुई किसी श्राय को बावत उक्त भाष्टि-तियम के भ्रक्षीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या श्रमकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा त्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत : भव, उक्त अधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपधाण (1) अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नारिन्द्र सिंह पृत्र श्री दरबारा सिंह पावर ग्राफ ।
 ग्रेटारनी श्री दरवारा सिंह निवासी 58ए, सराफा नगर, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरदयाल सिंह पृत श्री प्रताप सिंह सर्वश्री वारिन्द्र सिंह, राविन्द्र सिंह, नारिन्द्र सिंह मलविन्द्र सिंह पृत्र श्री हरदियाल सिंह गांव जिला, पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसंकी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भविष्
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, जो उक्त भित्तियम के भ्रष्टयाय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं भयं होगा की उस भ्रश्याय में विया गया है।

प्रनम्ची

भ्मि क्षेत्रफल 16 कनाल 13 मरले गांव जिला पटियाला (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्चा ग्रिधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6016 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-10-1980

प्रकप आर्र॰ टी॰ एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 श्रक्तृबर 1980

निर्देश मं० समाना/41 ए/79-80—-ग्रत. मुझे मुखदेव चद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- वपये से अधिक है

श्रौर जिसकी स० दो दुकान है तथा जो ग्रोलढ़ ट्रक यनीयन रोड, समाना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, समाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्दर् प्रतिश्वत से मधिर है आर अन्तर्यका (प्रन्तरित में मधिर है आर से अन्तर्य में प्रतिक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक स्पर्ध किया गया है:—

- (क) प्रश्नरण से हुई किसी घाए की बावत उश्न प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देन के प्रन्तरक के टायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुनिधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए या, छिपाने मे मुविधा के लिए।

अतः भ्रव, उक्त अधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनयम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती कलावंती विधवा श्री तेल् राम व सर्वश्री रामेश्वर दास व प्रेमचद पुत्र श्री तेल् राम निवासी सामाना ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री देव राज निवासी सामाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना बागे करक पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्भाता के प्रजन के नंबंध में काई भी प्रार्श्वराम-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा।
 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
 जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों थे से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रामग्रत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति
 में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधाहरूनाकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्ला नियम के धड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अड्याय में दिया गया है।

ग्रनभूची

दो दुकान, ग्रोल्ड ट्रक यूनीयन रोड, सामाना (जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी सामना के कार्यालय के विलेख सख्या न० 1466 फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सृखंदेव चंद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, लुधियाना ।

दिनाक: 15-10-1980

मोहर.

प्ररूप आई० टो० एन० एन० ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनाक 10 अक्तूबर 1980

स० एल० डी० एच०/596/79-80——ग्रत मुझे, सुखदेव जन्म

द्यायकर प्राचिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान न० बी०-15-564/10 है तथा जो श्रोबरलाक रोड, लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दक प्रनिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप संकथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त धांधानियम के अधीन कर बने के धान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयो को, जिन्हे भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1,22 का 11) या उपत धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के सिए;

श्रतः श्रव, उर्वन अधिनियम को बारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्.---

- श्रीमती पूरनी देवी पुल्री श्री तुलसी राम निवासी गाँव इसनपुर, भ्रब इंगरी नगर, माडल टाउन, लुधियाना (भ्रन्तरक)
- 2 श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गुरदास सिंह गाव डुगरी नजदीक माडल टाउन, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उपन सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कीई भी आक्षेप:---

- (६) ६म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख, से 45 वित की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रक्षितियम, के भ्रष्टवाय 20-क मे परिवाबित हैं। वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग सकान न० बी० 15-564/10, श्रोबरलोक रोड, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सख्या न० 5229, फरबरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (fनर क्षण) ग्रजंन रेज, लुधियाना ।

नारीख . 10 श्रक्त्बर, 1980 मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th October 1980

No. A.32015/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 3rd October 1980 to 31st December 1980, or until further orders, whichever is earlier vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

No. A.32016/3/80-Admn-II (i).—The Secretary, Union Service Commission hereby appoints Shri O. P. Sud, Investigator to efficiate as Superintendent (Data processing) on ad-hoc basis for the period from 22nd September 1980 to 6th November 1980 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri O. P. Sud as Superintendent (D.P.) is purely on ad-hoc and temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

The 10th October 1980

No. A.32014/4/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shi R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40— 1200 -, on an ad-hoc basis for a period of three months with effect from 16th October 1980 of until further orders, whichever is earlier.

> P. S. RANA Section Officer for Secy.

New Delhi-11, the 9th October 1980

No. 32011/1/80-Adm.1(i).—In pursuance of the Ministry of Home Affairs, O.M. No 7/6/79-CS II, dated 19th July 1980 the following Officers of the cadre of Union Public Service Commission, officiating as Sr. P.A. on long term basis have been included in the Select List of Sr. P.A. (grade B of CSSS) w.c.f. 19th July 1980.

- 1. Shri B. B. Chhibber
- 2. Shri Tarsame Singh (SC).

This seniority in the select list will, however, be fixed vis-a-vis the Sr. P. A. appointed on the basis of the Ltd. Departmental Exam. held by the Union Public Service Commission in term of para 3 of the sixth schedule to the CSSS Rules

S. BAI ACHANDRAN, Dy. Secy.

The 21st June 1980
No. A-11016/1/76-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of U.P.S.C. to perform the duties of Desk Officers, for the periods indicated against each, or until further orders which-ever is earlier, in the office of Union Public Service Commission :-

S. No.	Name	Period for which promoted	Branch to which posted
	B. Sonderesan .	10-6-80 to 1-8-80	Service II
	Dhanish Chandra	10-6-80 to 30-6-80	R-R

2. The above officers shall be granted a Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of DOP & AR Cm. No. 12/1/74-GS(I) dated 11-12-75.

> S. BALACHANDRAN Under Secretary
> Union Public Service commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 27th October 1980

No. 9 RCT, 21 —The Director, Central Vigilance Commission, hereby appoints Shri Mange Lal, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 15th October 1980 to 12th January 1980 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn) for Director, Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 24th October 1980

No. 2/46/75-FST.-In continuation of this Office Notification of even number dated 17/19th April 1980, the Director is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. C. Savena as Librarian for a further period of six months with effect from 15th October 1980 or till a regular appointment is made whichever is earlier.

> K. RANGARAJANI Dy. Director (Senior)

Mussorie, the 24th October 1980

No. 7/2/73/EST.—Shri K. Raghunath, an officiating Accounts Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie is confirmed in that caapcity with effect from 1-7-1980.

> S. P. SINGH Assistant Director

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE New Delhi-110022, the 16th October 1980

No. O.II-1443/79-Estt,-The Director General, Central Reserve Police Force is pleased to appoint Dr. Rai Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7-6-80 to 29-7-80 (FN).

> A. K. SURI Assistant Director (Adm)

MINISTRY OF FINANCE (DFPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 15th October 1980

No. 7(52)/7564.—In continuation of this office Notification No. AD/4/3743 dated 27-6-80, the ad-hoc appointment of Shri P. K. Sharma as Accounts Officer is hereby continued upto 29-11-1980 or till the post is filled on regular basis, vehichever is earlier.

> S. R. PATHAK. General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 27th October 1980

No. CAI/23-70.—On his attaining the age of superannuation Shri A B. Lall, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board & Fx-Officio Director of Commercial Audit. New Delhi retired from service with effect from 31-7-1979 (A.N.),

> R. K. MPHRA. Asstt. Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN, JAIPUR

Jaipur, the 25th October 1980

No. Admn. II/G-Notfn./1138.-The Accountant General is pleased to promote Shri Jagan Nath Dhembla, Section Officer

of this office and appoint him as Officiating Accounts Office with effect from 6-10-80 (FN) until further orders.

G. C. SRIVASTAVA, Sr. Dy. Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G D A

New Delhi-110 022, the 23rd October 1980

No. 18483/AN-L- The President is pleased to accept the resignation of Shri Prabhu Daval Mina, from the Indian Defence Accounts Service with effect from 30th April 1980 (AN)

The 24th October 1980

No. 18411/AN-1—On attaining the age of 58 years, Shri Iqbal Chand, IDAS, Assistant Controller General of Defence Accounts (Audit) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 30-4-1981 (AN) and accordingly be struck oil strength of the Defence Accounts Department with effect from 30-4-1981 (AN)

C. V. NAGENDRA Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHILE CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (1 STABLISHMENT)

New Delhi, the 27th October 1980

No. 1/2, 80-Admn(G) 6093.---The President is pleased to appoint Shif J. S. Sahota, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi, for a period of 3 months with effect from 1st July, 1980 (FN)

2 The above appointment of Shri Sabota in Grade I of the CSS and as Dy Chief Controller of Imports and Exports is subject to the decision on the Writ Petitions pending in the Supreme Court and Delhi High Court in this connection including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court—Mr. Thomas Mathew and 2 others Vs. Union of India.

J. P. SHARMA.

Deputy Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DI VELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th October 1980

No A 19018/508/80-Admn.(G) — The President is pleased to appoint Shri S. R. S. Gill, a Grade III officer of II.S, on his return from deputation as Deputy Director, Rural Electrification Corporation and leave, as Deputy Director (Feonomic Investigation) in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi with effect from the foremon of 15-9-80 and until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 10th October 1980

No. A.6/247(270).—The President is pleased to appoint Shri M. P. Chowdhary, Assit. Director of Inspection (Met. Ch.m.)

- (Or III of Metallurgical Chem. Branch of Indian Inspection, Service, Group 'A) to officiate as Dy Director of Inspection (Met. (hcm.) (Grade II) of Metallurgical Chemical Branch of Indian Inspection Service Group 'A' with effect from the 8th September, 1980 (Forenoon) on ad-hoc hasis for a period of six months.
- 2. Shri M. P. Choudhury relinquished charge of the post of Assit. Director of Inspection (Met. Chem in the office of Dy. Director of Inspection (Met.), Director of Inspection (Met.), Director of Inspection (Met., Chem.) in the office of Director of Inspection (Met., Bumpur on the Forenoon of 8th September, 1980.

P. D. SFIH, Dy. Director (Admn.)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th October 1980

No. A-1/42(41) IV —The President is pleased to appoint Shri P. S. Gladd, Dy. Director, substantively to the grade of Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from 30-3-71.

K. KISHORF Deputy Director (Administration)

SURVEY OF INDIA SURVEYOR'S GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 25th October 1980

No. 14. 5667/1117—LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shir C. S. Saksena, Establishment & Accounts Officer Map Publication Office, Survey of India, Debra Dun from the Govt, service on superannuation with effect from 30th Sep., 1980 (A.N.).

IQBAL SIDDIQUI. Major Engrs. Assistant Surveyor General

DIRI CTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st October 1980

No. 10/103/61-SII.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri G. C. Sen, Accountant All India Radio, Silchar to officiate as Administrative Officer, on adhoc basis All India Radio Silchar with effect from 29-9-80.

S. V. SFSHADRI, Deputy Director of Administration, for Director General.

DIRFCTORATE GINERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 23rd October 1980

No. A. 19019/25/77(JIP) Admn.I.—The Government of India announces with profound regiet the death of Dr. S. L. Basu, Professor of Biology, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical I ducation & Research, Pondicherty on the 27th April, 1980.

- No \ \(\lambda \).35017/1/80(HO) Admn I.—The President is pleased to appoint Shii O P. Govil, Audit Officer (Commercial) of the Office of the Member Audit Board and \(\Gamma \tau \)-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi to the post of Deputy Director Accounts (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of the 1st October, 1980, until further orders.
- 2. Shir J. P. Rustgi, Deputy Director Accounts (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi who was on deputation from the Office of the Director of Comme call Audit retired from Government service on the afternoon of the 30th September, 1980 on attaining the age of superannual tion.

S. L. KUTHIAVA Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORALE OF MARKETING & INSPECTION

Fandabad, the 25th October 1980

No. \(\lambda_{19025/55}\), 80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shir Guipreet Singh Sodhi, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Bombay, with effect from 5-980 (FN), until further orders.

B. J. MANIHAR. Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 20th August 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.— On transfer from the Directorate of I state Management of the Department of Atomic Lnergy, Shri Nagesh Purushottam Khandeparkar, a permanent Assistant Administrative Officer in DFM, has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of August 5.

The 13th October 1980

No BARC/Hosp, C 66—The Competent Authority appoints Dr. (Smit.) Poornina Krishnamoorthy as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 29, 1980 to the afternoon of October 29, 1980.

S. DIKSHII. Dy. Establishment Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 24th October 1980

No. AMD 2/2954/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Mohan Surain Bhagwat, from the temporary post of Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from October 13, 1980 (afternoon).

> M S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRI'

Nellore, the 14th October 1980

No. SCI. P&GA: ESTT:172—The Director SHAR Centre is pleased to appoint Shri P Krishna Tulasi to the post of Lugineer 'SB' in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from 19-7-80 and until further orders

> R. GOPALARATNAM, Head, Personnel & General Admin for Director

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES PERSONNEL AND GENERAL ADMN. DIVN.

Sciharikota-524 124, the 14th October 1980

No. SCF P&GA. ESTT.1.72.—The Director SHAR Centre is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Scibarkot in an officiating capacity with effect from 1st October 1980 and until further orders

Sl No & Name

- U Subrahmanyeswara Pao

2 G V Rymini

- 3, G. M. Oliver
- 4 I I Thomas
- 5 R Somasundaram

- - -

- 6 K Prakasan
- 7. P Prakasa Rao 8. K Kameswara Rao

- 9 C Subbatah 10 A S N Murthy 11. K Yesodharan

R. GOPALARATNAM, Head, Personnel & Genl. Admn. for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METLOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd October 1980

No 1 (1)00901 — Shri Lobzang, Meteorologist Grade II. India Meteorological Department has reverted to the post of Lecturer in Physics, Govt. College, Kulu under Directorate of Education, Government of Himachal Pradesh, with effect from the forenoon of 15-8-1980,

> K. MUKHURII I Meteorologist for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th October 1980

appoint Shit U. N. Singh, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 11-8-80 (FN) and to post him in the office of the Director, Radio Con-struction & Development Units, New Delhi.

No \32013/13 79-EC.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chadda, Technical Officer. Acronautical Communication Station. New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 22-7-80 (I-N) and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

No. A 39012/6/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. N. Roy. Technical Officer. Acrodiome Communication Station, Calcutta Airport. Calcutta from the Government service with effect from 15-9-80 (FN).

R. N. DAS Assistant Director of Administration

OVERSIAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd October 1980

No 1/142 80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shir P. S. Nagabhushanam as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the Aivi Branch, with effect from the afternoon of the 25th July, 1980 and until further orders on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the 24th October 1980

No. 1/160 80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri S. Balachandom as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the New Delhi Branch, with effect from the forenoon of the 25th August 1980, and until further orders, on regular basis

No 1/257 80-FST —The Director General, Oversens Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'I ima, permanent Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manaear, in an officiating capacity, in the same Branch, for the

period from 9-1-1980 to 7-2-80, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

- _ _-

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn) for Director General

~ __ -- - __ -- -- --

CENTRAL FXCISE COLLECTORATE; M. P.

Indore, the 21st October 1980.

No. 19/80—Consequent upon their promotion as superintendent, Contral Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charge as Superintendent of Central Excise, Group 'B' with effect from the dates as shown against their names:—

S Name of No. Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri 1, S, Chaveries	Superintendent Damoh Range Sagar Divn.	27-9-80 (A N.)
2. K. P. Shrivastava .	Superintendent R.B.C. Bhilat, Raipur Divn,	30-9-80 (I·,N.)

S. K. DHAR, Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 16th October, 1980

No. A-32014/1/80-Adm.V.—Chairman; Central Waver Commission hereby appoints the following officers to officinte in the grade of 1 trea. Assistant Director/Asset: Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

SI. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
S/Sh	 nri	
1.	P.N. Ticku, Supervisor.	13-10-80 (forenoon)
2.	S.M. Lal, Supervisor.	23-9-80 (forenoon)
31.	Jatinder Lal, Supervisor.	5-9-80 (forenoon)
4.	P.C. Jha, Design Assistant,	5-9-80 (forenoon)
5.	A.D. Singh Supervisor.	24-9-80 (forenoon)
6.	Gulzari Lal, Supervisor,	6-10-80 (forenoon)
7.	M.S. Haque, Supervisor,	13-10-80 (forencen)
8.	T.K. Ghatak, Supervisor.	6-10-80 (forenoon).

K. L. BIIANDULA, Under Secy-Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rajasthan Carpets Limited.

Inipur, the 21st October 1980

No STAT/1555/970.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rajasthan Carpets I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Kailash Chit Fund Private Limited.

Jaipur, the 21st October 1980

No. STAT/1442/9708.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Knilash Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/x. Rajasthan Wine & Bear Manufacturing Company Private Limited.

Jaipur, the 21st October 1980

No. STAT/1287/9715.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rajasthan Wine & Bear Manufacturing Company Private I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Money Circulating Agency of India Private Limited.

Jaipur, the 23rd October 1980

No. STAT/999/9791.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Money Circulating Agency of India Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, PUN-IAB, HIMACHAI PRADESH & CHANDIGARH, LINK ROAD, MODEL TOWN, JULI UNDUR CITY.

Jullundur, the 25th October 1980

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Pioneer Finance Private Limited.

No. G/STAT/560/2970/8116.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Pioneer Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK, Registrar of Compan's Punjab, H.P. & Chandigath,

OFFICE OF THE REGISTRAR O COMPANIES MADHYA PRADESH, GWALIOR

Gwalior, the 27th October 1980

In the matter of the Companies Act, 1956, and of In the matter of M/s. Vindhya Investment & Finance Private Limited.

No. 1322/R/4528.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof the name of M's. Vindhya Investment & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior. OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY/INSPECT-ING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 16th October 1980

GIR No. 22-K/Acq.—It is hereby notified that the immovable property (1) Divided half portion towards east of settlement plot No. 277/1 measuring 1.48 acres in village-MAWIYAN and plot No. 586 measuring 7.32 acres in village Akhta. Pargana-Shivpur, Distt. Varanasi and (2) Divided half portion towards west of settlement plot No. 277/1 measuring 1.48 acres in village MAWIYAN and plot No. 586 measuring 7.32 Acres village Akhta, Pargana-Shivpur, Distt. Varanasi,

has been taken possession of in terms of the provisions contained in sub-section (2) of Section 269 I of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on 21-5-1980 by Shri B. Bajumdar, Executive Engineer, Allahabad Central Division, 76, Lukerganj, Allahabad duly authorised in this behalf. In terms of sub-section (4) of Section 269 I of the Act, the sald property wests absolutely in the Central Government free from all encumbrances, with effect from the aforesaid date.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ret. No. LDH/595/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

k share in House No. B-XV-564/10, situated at Overlock Road. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Purni Devi d/o Shri Tulsi Ram, r/o Village Isanpur at present at Village Dugri, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

(2) Shri Harnek Singh s/o Shri Gurdas Singh, r/o Village Dugri, near Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in House No. B-15-564/10, Overlock Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5228 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

Seal:

(Transferors)

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/580/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 427,

situated at Industrial Arca 'A' Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Pearl Mechanical Engineering & Foundry Works Private Limited, 425, Indl. Area-A, Ludhiana through Shri Jagdish Lal Behal, s/o Shri Nand Kishore Behal, Director of the Company vide Resolution dated 15-1-1979 through Shri Bal Krishan, Reader of Shri S. S. Hundal, P.C.S. Ludhiana.
- (2) M/s Oswal Woollen Mills Ltd.
 G.T. Road, Sherpur, Ludhiana
 through Shri Vidya Sagar Oswal, Chairman.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 427, Industrial Area 'A' Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5015 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/451/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 1358, situated at Sector 22B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Shiv Dayal Singh, Sohan Singh, Mohan Singh and Ram Gobind, sons of Shri Lashkar Singh through their general power of attorney Shri Lashkar Singh s/o Shri Niranjan Singh, .. r/o V.&P.O. Nadalon, Distt. Hoshlarpur. (Transferors)
- (2) Shri Inder Lal Gulati s/o Shri Pardhan Chand, r/o House No. 1359, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1358, Sector 22B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2298 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/603/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-21-834,

situated at Partap Nagar, Dholewal, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gian Kaur w/o Shri Sardara Singh r/o Gali No. 20, House No. 922, Ram Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagat Ram, 5/0 Shii Ganga Ram, and Smt Jamna Devi W/0 Shri Jagat Ram, Shri Gurdial Rai 5/0 Shri Jagat Ram, House No 840/2, Gali No. 2, Partap Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-21-834, Partap Nagar, Dholewal, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5332 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/440/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing No.

Plot No. 2256

situated at Sector 35C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Premiit Kaur wd/o Shri Amarjit Singh Shri Sarabjit Singh s/o Shri Amarjit Singh Miss Paramjit Kaur d/o Shri Amarjit Singh, Rs/o 3889, Hill Road.
 Ambala Cantt.

(Transferors)

(2) Shri Hans Rai s/o Shri Bahadur Chand, r/o House No. 1610 Sector 23D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2256, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2231 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Datc: 10-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 1HL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 10th October 1980

LUDHIANA

Ref. No. CHD/456/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1227, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. Baldev Singh Dhillon s/o Shri Kundan Singh, A Copy (MT) 515 ASC Bn. C/o 56 APO through his power of attorney Shri Inderjit Sudhera s/o Sh. Ram Chand, r/o 2361, Sector 35C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Sudhera s/o Lala Ram Chand, r/o House No. 2361, Sector 35C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1227, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2326 of Ferwary, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/608/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House property No. B-XX-1126/1-A, situated at Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Ludhiana in February. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Singh s/o Shrl Partap Singh, r/o Kothi No. 1367, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Saran Singh s/o Shri Hari Singh, r/o Village Manakwal, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XX-1126/1-A. Gurdev Nagar, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 535/of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF CENTRAL REVENUE BUILDING, I UDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref No CHD/461/79 80 —Whereas I SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Plot No 1055 Sector 36C Chandigarh situated at Sector 36C Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ian market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S-al:

15-326GI/80

(1) Mrs Asha Devinder w/o
Major Devinder,
through her General Attorney
Shii Aijan Singh Walia s/o Sh Bhagat Singh,
r/o 1567 Sector 34
Chandigarh

(Transferor)

(2) Mrs Kailash Wati w/o Late Shri Lal Chand, r/o House No 1164 Sector 22B, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 1055, Sector 36C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No 2353 of February 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 10-10-1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
CFNTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/460/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House Property No. 3282

situated at Sector 19D, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tarlochan Singh s/o Bhai Hira Singh, resident of House No. 1051, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Birjinder Deepak w/o Shri A. S. Deepak & Shri A. S. Deepak s/o Shri Arjun Singh, r/o 238, Sector 11A, Chandigarh,

(Transferee)

(2) M/s J. S. Tin Fabricators, Barotiwala (HP).

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3282, Sector 19D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2352 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIL INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiani, the 10th October 1980 CHD/442/79-80 —Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Shop-cum Flat No 72 & 73

situated at Sector 15D Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Chandigath in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been fully stated in the instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 296 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shu Karnail Singh 5/0 Shri Sunder Singh, 1/o House No 1607, Sector 18D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1 Shri Satwinder Singh Khabra,

Sh Kultar Singh Khabra, s/o Shri Bikram Singh Khabra,

Smt. Raunder Kaur w/o Sh Satwinder Singh Khabra and

Smt Sukhvinder Kaur Khabra w/o Shri Kultar Singh Khabra,

Village Kaharpur PO Mahalpur, Distt Hoshiarpur

(Transferces)

M/s Krishna Stationery & Art Emporium
M/s National Traders,
Smt Shakila Banu,

3

Shii Raju Shri Sita Ram.

all residents of SCF 72 & 73, Sector 15-D. Chandigarl.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

SCT No 72 & 73 Sector 15D. Chandigarh (The monerty as mentioned in the sale died No 2237 of February, 1980 of the Registering Authority Chandigath)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

LUDHJANA

Ludhiana, the 10th October 1980

CHD/448/79-80.—Whereas I, SUKHDEV Ref. CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property bearing No. 2860 situated at Sector 22C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Amrit Lal Aggarwal, s/o Sh. Jawala Ram, through his attorney Sh. Surinder Mohan Gupta s/o Sh. Manmohan Gupta, r/ 2768, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Maumohan Gupta s/o Shri Mathu Ram. r/o House No. 2860, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2860, Sector 22C, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2273 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUF BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref No CHD/438/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

SCO No 33

situated at Sector 31D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Koklan Rant w/o Shri Balit Singh Gill, r/o House No 1550, Sector 36D, Chandigarh

(Transferoi)

(2) Shri Ralla Singh, s/o Shri Karta Ram, 1/o Village Burail, P.O. Burail, UT Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANAJION -— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

SCO No 33, Sector 31D, Chandigath

(The property as mentioned in the sale deed No 2221 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date · 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING J UDHIANA

Ludhiana the 10th October 1980

Ref No CHD/450/79 80 —Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No

Plot No 1412.

situated at Sector 34C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Wg Cdi R L Jaitly, through his attorney Smt Kailash Sharma w/o Shri T L Sharma, r/o 692, Sector 8B, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Salwan 5/0 Shri T. L. Sharma, r/o 1412, Sector 34C Chandigarh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 1412, Sector 34C, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 2280 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/605/79-80 —Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

House No B-19-152 (Old)/B-19-152/2(New)

situated at Seth Sohan Lal Lane, Maharani Jhansi Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Vanita Jain, w/o Shii Jawahar Lal Jain, r/o B-19-152/2, Seth Sohan Lal Lane, Maharani Jhansi Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shii Sudesh Jain s/o Shii Nagin Chand Jain, r/o 433/6, Basant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No B-19-152(Old)/B-19-152/2 (New) at Maharani Jhansi Road, Seth Sohan Lal Lane, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5336 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. PLM/1/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kuthiala Tea Estate

situated at Palampur (Himachal Pradesh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Harkrishan Lal and Surinder Kumar Kuthiala,
 Kuthiala Colony, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Sood, R/o B-82, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Badri Parshad. Tea Merchant. Palampur (H.P.).

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as "Kuthiala Tea Estate" Palampur. (The property as mentioned in the sale deed No. 115 of 2/80 of the Registering Authority, Delhi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/581/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. B-XV-5, situated at G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-326GI|80

- (1) Shri Atma Singh S/o Shri Hari Singh, Resident of H. No. 2531, Sec 35C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) The Distt. Rajput Sabha, Rajput Bhawan, B-XV-5, Miller Ganj, G.T. Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. B-XV-5, Miller Ganj, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5032 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

residents of House No. 978, Ward No. 5, Khanna, District, Ludhiana, (Transferor) (2) Shri Jai Gopal S/o Shri Piare Lal,

(1) Smt. Dalio Kaur Wd/o Shri Arian Singh,

Smt. Harbans Kaur D/o Sh. Arjan Singh & Smt. Harbant Kaur D/o Sh. Arjan Singh, all

Ward No. 4, House No. 498, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL RIVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. KNN '91 79 80.-Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House Building situated at Ward No. 5, Khanna Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of House building in Ward No. 5, Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1884 of Feb., 80 of the Registering Authority Khanna).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. KNN/92/79-80--Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House building situated at Ward No. 5, Khanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Dalip Kaur Wd/o Sbri Arjan Singh, Smt. Harbans Kaur D/o Sh. Arjan Singh & Smt. Harbant Kaur D/o Sh. Arjan Singh, all residents of House No. 978, Ward No. 6, Khanna. (Transferor)
- (2) Shri Jai Gopal S/o Shri Piare Lal, House No. 978, Ward No. 6, Khanna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House building situated at Ward No. 5' Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1902 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/572/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 518\$ sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gurparshad Trust (Reg.) Religious & Charitable, Ludhiana through Trustee S. Pritpal Singh Grewal S/Shri Joginder Singh Grewal, Advocate Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shrimati Jaswinder Kaur Dhiraj W/o Shri Parvesh Singh Dhiraj, R/o V. Hadiawad, Distt. Kapurthala through her General Power of Attorney Shri Udhey Singh S/o Shri Hira Singh, R/o 636, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 5181 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4950 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME **TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref No LDH/573/79-80 – Whereas I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Plot measuring 518½ sq yds situated at Gurdev Nogar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

l udhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gurpaishad Trust Regd (Religious & Charitable)
Ludhiana through Trustee S Pritpal Singh Grewal
S/Shii Joginder Singh Grewal, Advocate, R/o
Gurdev Nagar, I udhiana

(Transferor)

(2) M/s Matharu Machinery Works through partners S/Shii Naranjan Singh S/o Sh Babu Singh & Gurjit Singh S/o S Naranjan Singh, Residents of 626, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 518½ sq yds at Gurdev Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 4951 of Feb 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 10-10 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref No PTR/64/79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Land measuring 44 kanals 9 mailas

situated at Village Sutrana, Sub Teh Patran Teh Samana, Distt Patrala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patran in Feb, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parkashi S/o Shri Deep Chand & Shri Deep Chand S/o Shii Kaura Ram, R/o Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Arjan S/o Shri Bhullar Ram, R/o Sutrana, Teh Samana, Distt Patiala (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 44 k 9 M at V Sutrana, Sub Teh Patrair Teh Semana, Disti Patiala

(The property as mentioned in the sale deed No 1913 of Feb., 80 of the Registering Authority, Patran

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 10-10-1980 Seal .

I ORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, I UDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref No CHD/457/79 80 —Whereas I SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the mome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No ½ share in SCF No 69 situated at Sector 47D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely --

- (1) Smt Shiksha Rani W o Shri Om Parkash R/o House No 644 Phase I Mohali (Punjab) (Transferor)
- (2) Shri Jagan Nath S/o Shri Devi Ram, R/o 161A, Grain Market Chandigarh (Transferee)
- (3) M/s Gaig Stoic Piop M s Piare Lal Paima Nand & Shiimati R Kapoor SCF No 69, Sector 47D Chandigarh

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in SCF No 69/Sector 47D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No 2331 of Feb 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range I udhiana

Date 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/458/79-80.---Whereas, I. SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I share in SCF No. 69 situated at Sector 47D. Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Smt. Shiksha Rani W/o Shri Om Parkash, R/o House No. 644, Phase-I, Mohali (Punjab) (Transferor)
- (2) Shii Tek Chand S/o Shii Jagan Nath
- R/o 161A, Grain Market, Chandigarh.

 (3) M/s Garg Store, Prop. M/s Piare Lal
 Parma Nand & Shrimati R, Kapoor,
 SCF No. 69, Sector 47D, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

share in SCF No. 69/Sector 47D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 2331 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/454/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3103, situated

at Sector 35D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in Feb., 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- to fooditating the concealment of any income on all inches or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—326GI/80

(1) Lt. Col. J. M. Lal S/o Shri Kali Charan, Headquarters, 17 FAD C/o 56 APO.

(Transferor)

(2) Shri Satyarath Parkash Datta S/o Shri Randhir Singh Datta & Mrs. Kanchan Datta W/o Shri Satyarth Parkash Datta through their attorney Shri Randhir Singh Datta S/o Shri Niranjan Dass, R/o House No. 805/18D, Chandigarh now at 3566, Sec. 35D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 3103, Sector 35D, Chandigath (The property as mentioned in the sale deed No. 151, cf February, 80 of the Registering Authority, Chandigata).

SUKHDEN OF AND
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Urdhava

Date: 10-10-1980

 $3c \pm 1$

FORM TINS

(1) Cáptain DeVInder Singh, 2524, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Kapoor, R/o House No. 49, Sector 18A, Chandigarh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/432/79-80.—Whereas, I, SUKHDEY CHAND.

being the Competent Authorsty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to Believe that the shimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 115 (Measuring 528 sq. yds.) situated at Sector 35A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 115 (Measuring 528 sq. yde.) at Sector 35A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2206 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS----

(1) Shri B. K. Mathur S/o Shri B. D. Mathur, 654, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D, K. Wadhera through his General Power of attorney Shri K. K. Purl, House No. 1067/21B, Chandigarh, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/437/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 307 (Measuring 528.125 sq. yds.) situated at Sector 35A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the spiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 307, Sector 35A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 2219 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rauge, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/637/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4 share in Kothi No. 382-R, situated at Model Town, Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Kulwant Rai S/o Shri Jai Ram Beri Resident of Dugri Road, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shrimati Nirmal Handa W/o Shri Kewal Krishan, Resident of Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in Kothi No. 382R, Model Town, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 5726 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

(1) Shri Kulwant Rai S/o Shri Jai Ram Berl Resident of Dugri Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nirmal Handa W/o Shri Kewal Krishan, Kothi No. 323, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/597/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

1 share in Kothi No. 382-R,

situated at Model Town, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in 'hat Chapter.

THE SCHEDULE

i share in Kothi No. 382R, Model Town, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 5243 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE

Ludhiana, the 10th October 1980,

Ref. No. CHD/453/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 173,

at Sector 36A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in Feb., 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incime-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Brig. Prabhjit Singh Talwar, V. S. M. K. S/o Shri Bakshi Tulsa Singh Talwar, R/o D-53, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Munmohan Kaur W/o Shri Sardara Singh Bhinder & Shri Amar Iqbar Singh Bhinder S/o Shri Sardara Singh Bhinder, R/o 92-H, The Mall, Amritsar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any, of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazatte or, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 173/Sector 36A, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 2311 of Feb., 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Joginder Kaur W/o Shri Hargobind Singh, House No. 114, Sector 10A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Dass S/o Shri Sita Ram, Resident of Anand Niwas, Phagh, Simla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/439/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 50

situated at Sector 16A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imn_{R, l}, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50, Sector 16A, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 2228 dated 12-2-1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 10-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/449/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 1875.

situated at Sector 34D, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or title assets which have not been ar which ough to be diclosed by the transferce for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in the salance of section 209°C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Capt. Sarvdaman Singh Oberai S/o Late Sh. Harbans Singh, R/o J-6/109, Rajouri Garden, New Delhi through his general power of attorney Smt. Peilu Oberoi W/o Capt. Sarvdaman Singh R/o J-6/109, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Swaran Singh Gill S/o Shri Naurang Singh & Smt. Daljit Kaur W/o Sh. Swaran Singh, S/o Village Mulanpur, Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Seve Table + rid arh Fil No 10 in the used No. 2279 of February, 60 or the Registering Authority, Chandigarh)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acon'sition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-1980

(1) Shri Bahadur Singh S/o Shri Jagbir Singh, R/o Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o Shri Vidya Sagar Oswal, R/o Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/236/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 2-16-9 bighas

situated at Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-16-9 bighas at Village Dad, Tchsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7054 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiane.

Date : 10-10-80.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—326GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Bahadur Singh S/o Shri Jagbir Singh, R/o Villago Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o Shri Vidya Sagar Oswal, R/o Ghumar Mandi, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDII. 238/79-80.—Whereas, I, SUKIIDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

I and measuring 2-16-9 bighas

situated at Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-16-9 bighas at Village Dad, Tchsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7166 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-80

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sarbjit Kaur W/o Sh. Mohinder Singh through her General Power of attorney Shri Mohinder Singh S/o Shri Munsha Singh, V. Nadali, P.O. Jaid, Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Ranjit Singh & Gurcharan Singh, S/o Shri Mehar Singh, R/o 492, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/459/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Plot No. 3305, (Measuring 528.13 sq. yds.)

situated at Sector 32D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3305, Sector 32D, Chandigath

(The property as mentioned in the sale deed No. 2349 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-10-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No DHR/3/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 6 bighas 5 biswas 9 biswasi situated at Bardwal, P.O. Dhwi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Λ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Λ ct, to the following pcisons, namely:—

- (1) Shri Mal Singh S/o Shri Hazura Singh, R/o Villago Bardwal, P.O. Dhuti, Distt Sangrur. (Transferor)
- (2) Dr. Vinod Kumar Pabby, Pathshala Road, Dhuri, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 5 biswas 9 biswasi at Bardwal, Distt. Sangrur. (The property as mentioned in the sale deed No. 1599 of May, 1980 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Date: 10-10-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. MKI./64/79-80.—Wherens, I, SUKHDFV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. I and measuring 37 bighas 1 biswa situated at Village Badshahpur, Tehsil Malerkotla

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Surjit Kaur Wd/o Shri Lal Singh S/o Shri Mal Singh. R/o Badshahpur Tehsil Malcrkotla through her General Power of Attorney Shri Mal Singh S/o Shri Modan Singh Resident of V. Badshahpur, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Major Singh S/o Shri Gurdev Singh, R/o V. Ferozepur Kuthala, Tehsil Mclerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 bighas 1 biswas at V. Badshahpur, Tch. Malerkotla. (The property as mentioned in the sale deed No. 498 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD '444/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 354(V) (Measuring 525.75 sq. yds.) situated at Sector 35A, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Flt. Lt. Wishwa Nath, S.C.F. No. 15, Sector 20D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Partap Singh S/o Shri Pritam Singh, VPO Khurla Kingra, near Jullundur City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 354(V), Sector 35A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 2253 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHDffl443/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. House Property No. 3083, situated at Sector 22D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Dayal Kaur W/o Shri Ram Singh, R/o Village Dedoomajra, U.T. Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shrimati Surjit Kaur W/o Shri Piara Singh through her husband S. Piara Singh resident of V. Dadoomajra, UT Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 3083, Sec. 22D, Chandigarh. (The Property as mentioned in the sale deed No. 2245 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/431/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot No. 3076, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:~~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Cdr. Daljit Singh S/o Shri Sarban Singh through his General Power of Attorney Shri Jhalman Singh S/o Shri Arjan Singh, R/o House No. 137, Sector 11A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shii Bhagwan Dass Bansal S/o Shri Lachman Dass and Smt. Usha Rani W/o Shri Bhagwan Dass, R/o House No. 2, Rose Garden, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3076, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2198 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDIHANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/R/231/79-80,—Whereas, I, SUKHDFV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 26 kanals 1 5marlas situated at Village Silkhiana Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—326GI/80

(1) Shri Baldev Singh S/o Shri Shrimati Ram Devl, Village Silkiana, Tehsil Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh and Shri Gurdev Singh Sa/o Shri Mull Singh, R/o V. Sangowal, Tehsil Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 26 kanals 15 marlas at V. Silkiana, Tehsil Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6910 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, I udhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Tr.

(1) Shri Baldev Singh S/o Shrimati Ram Devi,

R/o Village Silkiana, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Shi Mal Singh, R/o V and PO Sangowal, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. J DH R/232/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. I and measuring 26 kanals 15 marks situated at Village Silkiana, Tehsil I udhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Judhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 26 kanals 15 marlas at V. Silkiana, Teh. I udhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6986 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM JINS--

 \mathring{N} OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Rct. No LDII/R/224/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and measuring 26 kanals 15 marks situated at Village Silkiana, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baldev Singh S/o Smt Ram Devi, R/o V. Silkiana, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shii Charanjit Singh and Gurdev Singh, Ss/o Shri Mall Singh, R/o V. Sangowal, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 26 kanals 15 marlas at V. Silkiana, Teh I udhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No 6732 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhtana).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CINTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/445/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 share in House No. 247 situated at Sector 35A, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Pritam Singh Brar S/o Late Dr. Lehna Singh Brar, Bahdurgarh Farm House, Bahadurgarh, Patiala through his general attorney Shii Chota Ram S/o Shii Ram Chand, SCO No. 1, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferot)

(2) Shri Kesho Ram Goyal S/o Shri Ram Chand, SCF No. 127, Sector 28D, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in H. No. 247, Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2266 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD/446 '79 80 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No Half share in House No. 247 situated at Sector 35A, Chandigath.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Maj. Pritam Singh Barai S/o Dr. Lehna Singh, Bahadurgarh Farm House, Bahadurgarh, Patiala through his attorney Shii Chhota Ram S/o Shri Ram Chand, SCF No. 1, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferoi)

(2) Shii Sita Ram Goyal S o Shri Ram Chand, C/o SCΓ No. 127, Sector 28D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I share in House No. 247/Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2267 of I chiuary 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Of Income Tax,
Acquisition Range I udhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUL BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Rcf. No. SRD/158 79-80.—Whereas, I, SUKIIDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals 10 marlas situated at Villago Himayunpur, Tehsil Sirbind, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 1(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Piara Singh S/o Shri Ram Singh, Village Himayunpur, Tehnil Sirhind, Distt. Patiala, (Transfero
- (2) S/Shri Surinder Mohan, Sushil Kumar, Bhupinder Kumar, Vinod Bhushan, and Giris Mohan Ss o Shri Harbans Lal, Residents of Railway Road, C/o M/s. Balla Ram, Harbans Lal, Sirhind Mandi, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 10 marlas at Himayunpur, Tchsil Sirhind, Distt. PTA.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3577 of February, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, I udhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/606/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 251.11/25 sq. yds. situated at Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Shiv Charan S/o Shri Dewan Chand, R/o Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

 Smt. Sudershana Chopra W/o Shri Subhash Chander Chopra,
 637/1, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 251.11/25 sq. yds. at Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5340 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. I DH/593 '79-80 = Whereas, I. SUKHDFV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Plot No. 13A/2, (Measuring 437 sq yds) situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

- (1) Shri Atma Singh S/o Shri Jeewan Singh through his general power of attorney Shri Sarbrinder Singh, R/o Village Qila Raipur, Tehsil Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) Smt Satya Wati W/o Shii Ram Nath, and Smt. Som Wanti W/o Shii Sagli Ram,, R/o Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

 (Tiansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 437 sq. yds bearing No. 13A/2, Tagore Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5200 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD 455/79-80 -- Whereas, I, SUKHDFV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop-cum-Flat No. 16, situated at Sector 10D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere'e for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Harbhajan Singh,

(Transferor)

(2) Shri Kashmiri Lal S/o Late Shri Ram Chander. SCF No. 16, Sector 10D, Chandigath,

Village Gharuan, Tehsil Kharar, Distt. Ropar.

(Transferee)

(3) M/s. Bansal Cloth House, SCF No. 16, Sector 10D, Chandigarh. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 16, Sector 10D, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2819 of February, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

Scal:

20-326GI|80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH 569/79-80.—Whereas, 1, SUKHDhV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 522 sq. vds. situated at Champa I al Street. Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunil Kumar S o Shri Amrit Lal Champa I al Street, Opp. Police Lines, Civil Tines, Tudhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Wati W/o Shti Ram Sarup, Shri Ajay Kumar S/o Shti Ram Sarup, and Shti Balwinder Pal S/o Shri Ram Sarup, R o Mohalla Rupa Mistri, Kucha Kartar Singh, House No. 1244, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and measuring 522 sq. yds. at Champa I al St. Opp. Police Lines. Ludhiana.

(The property as mentioned in the vale deed. No. 4944 of February 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

GINTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD 452-79-80 -- Whereas f. SUKHDEV CHAND,

penny the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House Property No. 3285 situated at Sector 27D, Chandigarh

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shii Balwant Singh S o Shii Nagar Singh, R o House No 132, Sector 18A, Chandigarh. (Transfeior)
- (2) Smt. Waryam Kaur Woo Shri Kirpal Singh, R o 1171, Sector 20, Chondigath. (Transferce)
- (3) Shri Subhash Lakhwa &
 K. L. Sharma,
 R o H. No. 3285, Sec. 27D, Chandigath.
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3285, Sector 27D, Chandigath.

(The property as mentioned the sale deed No. 2306 of Feb. 80 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. DBS 91 79-80 -- Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land measuring 13.5 bighas situated at Village Rampur Kalan, S. Tehsil Dera Bussi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Deta Bossi in February, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shii Man Singh S/o Shii Mohinder Singh through his general power of attorney Shri Guidial Singh S o Sh Mohinder Singh, R/o V, Samdoo, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala. & Sunder Singh s/o Ram Singh V. Samdoo.
- (2) Smt Sukhjit Kaui Bajwa W/o Maj. Genl. Kuldip Singh & Shit Mandeep Singh 5/o Maj. Genl. Kuldip Singh Bajwa, R'o Village Kadian, Tehsil Batala.

(Iransferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13.5 bighas at V. Rampui Kalan, S. Teh. Dera Bassi,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1034 of Feb, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhian.

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, I UDIIIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. DBS/90/79-80—Whereas I, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair matket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 14 10 bighas situated at V Rampui Kalan, S. Tehsil Dera Bassi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major General Kuldıp Singh Bajwa S/o Shri Gurdial Singh Bajwa, R/o Village Kadıan, Tehsil Batala.

(Transferor)

(2) Shri Man Singh S/o Sh Mohinder Singh through Shri Guidial Singh S/o Sh Mohinder Singh, R o V Samdoo, Tehsil Rajpura.

(Transferet)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and measuring 14 10 bighas at V Rampur Kalan, S Teh, Deta Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No 1017 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. CHD 447-79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 1863 situated at Sector 34D, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance in section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Dalip Singh S/o Shri Gian Singh, 1863, Sector 34D, Chandigath,

(Fransleror)

(2) Shii J. B. Ohii, IPS, S o Shii G. D. Ohii, 3B, Bhupindia Nagar, Patiala.

(Fransierce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1863, Sec. 34D, Chandigerh.

(The property as mentioned in the sale doct No. 2268 of Leb., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta .
Acquisition Range, Ludhiano

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH 591-79-80. -Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 400 sq. yds. situated at Basti Jodhewal. Byepass Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 1 udhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Shanti Devi W o Sh Gobind Rom, Resident of Basti Jodhewal, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Oyunder Singh S o Shri Partan Singh Resident of Kothi No. 498, Near Bus Istan I Malerkotla, Distt. Sangrur,

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ludhiana, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 5169 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhrane

Date: 10-10-1980

— ------

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. 1 DH, 590-79-80.—Whereas I, SUKHDFV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Land measuring 400 sq. yds. situated at Byepass Road, Jodhewal, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Harbhajan Singh S'o Shri Sunder Dass R/o Amarpura, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh S/o Sh. Partap Singh, R/o Kothi No. 498, Near Bus Stand, Malerkotla, Distt, Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land measuring 400 sq. yds. at Bye-pass Road, Jodhewal, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5168 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (45 OF 1961)

(2) and Shashi Rance W/o Shir Charanji Lal,

(1) Shri Ramı Parkash S/o Shri Tulsi Ram,

Ludhiana.

R/o A3/104, Janak Puri, now 564L, Model Town,

(Transferor)

R of House No. 133B, Shastii Nagar, Luðhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER OF INCOMETAX.

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludiana, the 10th Octobar 1 '80

Ref. No. LDH/565 7786 Ab tess I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I share in Leithi No. 564L, rima'ed at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ludhiana m Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bety een the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :---

27--326GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I share in both No. 5641, Model Town, Ludhiana. (The property as meatinged in the sale deed No. 5106 of Feb., 80 of the Registering Auch aity, Judhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Lafe: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH 579, 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share in Kothi No. 564L situated at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Parkash S/o Shri Tulsi Ram, R/o A3/104, Janak Puri, now at 564L, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S o Shri Jagan Nath, R/o B-133, Shastri Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said binmovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share in Kothi No. 564L, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5012 of Feb., 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDFV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTATION COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No LDH/585/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No ½ share in House No. B-I-622/6, situated at Prem Nagar, Civil 1 ines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ram Nath S/o Shii Nand Lal C/o H. No. B-I-822 6, Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(Transferor)

 Sort, Parkash Rani W'o Shri Nagar Mal, R'o 126, Igbal Ganj, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share in H. No. B-I-822/6, Prem Nagar, Civil Lines, Ldh. (The property as mentioned in the sale deed No. 5091 of I-eb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhians, the 10th October 1980

Ref. No. LDH /587-79-80 -- Whereas I, SU& HDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share in House No. B-I-822/6, situated at Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Judhiana in Feb. 1980

for an appetent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concoument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Pom Noth Soo Shii Nand Lal R/o H. No. B-1-8226, Piem Nagar, Civil Lindhiana

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Shri Nagar Mal, R/o House No. B-1 126, Iqbal Ganj Ludhiana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here!. as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share in H. No. B-I-822/6, Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5117 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 262D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CHERAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 10th October 1980

Ref. No. PTA 41; 79.90 Wherem I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House Property signified at Desi Mehmandari, near Local Bus Stand Patiala

(and mole fully do libed in the Schedule annexed heicto), has been transferred in fir the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Patiala in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kirpal Kaur Wd/o S. Kuldıp Singh, Traviani Chowk, Patiela.

(Transferor)

(2) Shri Madan Khosla, S/o Sh. Gauri Shanker, R o 7730/5, Desi Mehmandari, N'ear I ocal Bus Stand, Patiala, Di. Usha Bhandari W/o Madan Khosla, Dental Surgeon, Civil Hospital, Tohana, Distt. Hissar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Desi Mehmandari near I ocal Bus Stand, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5767 of Feb 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. AMI./136/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

'No. Land measuring 2 bighas situated at Village Jasran, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) Shri Naurata Singh, and

(2) Shri Surjan Singh Ss/o Shri Rullia, R/o Village Nasrati, Mandi Govindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Lila Wanti W/o Shri Vidya Parkash,
(2) Shri Dalbag Rai S/o Shri Vidya Parkash,
(3) Smt. Sital Devi W/o Shri Ravinder Nath,

(4) Shri Parshotam Dass S/o Shri Faqir Chand, R/o Mandi Gobindgarh, and

(5) Shri Amar Singh S/o Shri Mahar Singh, and

(6) Shri Balbir Singh,
(7) Shri Major Singh Ss/o Shri Amar Singh,
R/o V. Jasran, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(8) Shri Sunil Datt S/o Shri Ravinder Nath,(9) Shri Madan Gopal S/o Shri Parshotam Dass, R/o Mandi Gobindgurh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

I and measuring 2 bighas at V. Jasran, S. Tehsil Amloh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1960 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Amloh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

 Shri Gopi Chand S/o Shri Narata Ram, R/o Ahmedgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Harjinder Singh S/o Shri Balhar Singh S/o Shri Hira Singh, R/o Rajpura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. AML 134/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV (HAND)

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 10 biswas situated at V. Kukar Majra, St. Tehsil Amloh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amloh in February, 1980

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 10 biswas at V. Kukar Majna, S. Tehsil, Amloh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1890 of Feb.

1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiuna, the 10th October 1980

Ref. No. AML/138/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter relegied to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 10 biswas

situated at V. Kukar Majia, S. Teh Amloh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Labh Singh S/o Shri Amar Singh, R/o V. Kukar Majra, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Pathala.

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Kumai Modi & Gulshan Kumar Modi Sons of Shri Hukam Chand, R o Mandi Gobindgath now C o M/s Darshan Kumar Gulshan Kumar Modi, Motia Khan Roed, Amloh Read, Mandi Gobindgath.

(T) ansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the a oregaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 10 biswas at V. Kukai Majia, S. Tehsil Amloh (The property as mentioned in the sale deed No. 1987 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUIGHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bijender Kumar Jain S/o Shri Mittar Sain and Smt. Usha Rani W/o Sh. Berjinder Kumar, R/o Ward (No., 6, Mandi Gobindarh.

Village Kukar Majra, P.O. Mandi Gobindgarh.

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Amar Singh, R/o

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. AML/139/79-80.-Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land measuring 10 biswas

situated at Village Kukar Majra, S. Tehsil Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

22-326GI[80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas at V. Kukar Majra, S. Tch. Amiloh (The property as mentioned in the sale deed No 1988 of Feb., 1980 of the Reistering Authority, Amloh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/607179-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kothi No. 387R, situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bahadur Singh S/o Sh. Basawa Singh R/o M-79, Greater Kailash-II, New Delhi-18.

 (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit Kaur W/o Shri Mohinder Partap Singh, R/o 56 Brown Road, Ludhiana.

(Transferec)

(3) Shri Raj Kumar & Shri Kirpal Singh, Rs/o Kothi No. 487R, Model Town, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 487R, Model Town, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 5350 of Feb., 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

FORM NO. I.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/602/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 261 sq. yds. situated at Vishkarma Town, Gali No. 3, Ludhjana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhjana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Himmet Singh, Jasbir Singh Se/o Sh. Ram Singh R/o V. Bhaina, Teh. Raikot Distt. Ludhiana through their General Power of Attorney Sh. Amar Singh, S/o Sh. Gajjan Singh, 245L, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Des Raj Janta Ice Factory, Vishkarama Town, Gali No. 3, Ludhiana through its partners, S/Shri Harnam Singh S/o Sh. Gurdit Singh, Kartar Devi W/o Sh. Des Raj, Bimla Devi W/o Sh. Lakh Raj, Krishan Lal S/o Sh. Hans Raj, Bal Mukhand S/o Sh. Mohri Ram & Shri Harnam Singh S/o Gurbaksh Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 261 sq. yds. at Vishkarma Town, Vali No. 3, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 5319 of Feb., 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Judhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/582/79-80.—Whereas, I SUKHDEV KAUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-17-49/69P, situated at Mohalla Harpal Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surjit Singh S/o Shri Jagat Singh, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Nath Sehgal, Advocate, 909/1A, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

(3) Shri Sri Paul Jain Proprietoi M/s, Jain & Company, Gopal Road, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-17-49/69P, Mohalla Harpal Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5049 of Feb., 80 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV KAUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/138/79-80,---Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House & 6‡ Marlas situated at Barnala,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Barnala in Feb., 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Gopal S/o Shri Kheta Ram S/o Sh. Sarma Mul Longowal (Barnala).

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Suraj Bhan S/o Shri Walaiti Ram Aggarwal Barnala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & 64 Marlas of land situated at Barnala. (The property as mentioned in the sale deed No. 6758 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Barnala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/139/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House & Land 61 Marles situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmala Devi W/o Sh. Chand Lal S/o Sh. Ramji Dass, R/o Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal S/o Sh. Kheta Ram S/o Shri Sarma Mall Aggarwal, R/o Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Land measuring 6! Marles at Barnala. (The property as mentinoed in the sale deed No. 6759 of Feb. 1980 of the Registraing Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Oct. 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/140/79-80.-Whereas, I, Sukhdev Chand, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House & Land 6} Marles situated at Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Roop Chand S/o Sh. Nand Ram S/o Sh. Bansi Ram Aggarwal of Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Pardeep Kumar S/o Sh. Chand Lal S/o Ramji Dass Aggarwal, R/o Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

House & Land measuring 61 Marles at Barnala. (The property as mentioned in the sale deed No. 6760 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Barnala).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Oct. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/141/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House & Land 64 Marles situated at Barnala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Barnala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Roop Chand S/o Sh. Nand Ram S/o Bansi Ram, R/o Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Vas Dev S/o Sh. Suraj Bhan, adopted son of Sh. Walaiti Ram Aggarwal, R/o Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Land measuring 64 Marles at Barnala. (The property as mentioned in the sale deed No. 6761 of Feb. 1980 of the Registering Authorit, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Oct. 1980

(1) Shri Dial Singh S/o Shri Karam Singh, V. Handiaya, Teh. Barnala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Om Parkash Gupta S/o Shri Madho Ram, R/o Barnala. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDIIIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/143/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section

of transfer with the object of :-

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 Kanals 17 Marlas situated at Village Handiaya, Teh. Barnala

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Barnala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—326GI/80

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals 17 Marlas at V. Handiaya, Uch Barnela.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6986 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Oct. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRN/144/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 Karnals situated at V. Handiaya, Teh. Barnala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Barnala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Mukhtiar Singh, Nahar Singh Ss/o Sh. Kirpal Singh & Smt. Sham Kaur Wd/o Shii Kirpal Singh, R/o V. Handiaya, Teh. Barnala.
- (Transferor)
 (2) M/s Vijay Poultry Farm, Barnala through Sh.
 Vijay Gupta S/o Sh. Om Parkash Gupta.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals at V. Handiaya, Teh. Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6987 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15th Oct. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. PTA/416A/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 2477/1, situated at Ram Gali, Near Sewa Samiti School, Patiala

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madan Mohan S/o Shri Bharat Parkash, 1299, Sector 22B, Chandigarh, ("My College" bldg.)

(Transferoi)

 Shri Gurmukh Singh S/o Shri Amar Singh, Ram Gali, Patiala.
 (My coverage bldg.)

(Transferee)

(3) Shri Bhagwant Swarup Goel, C/o "My College", Arna Barna Chowk, Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the House No. 2477/1, Ram Gali, Near Sevia Samui School, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5578 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, I udhiana.

Date: 15th Oct. 1980

Seal '

NOTIC) UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA (ENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. P1A/416/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 2477/1, situated at Ram Gali, Near

Sewa Samiti School, Patiala tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Parada in February 1980 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- for then taking the concealment of any meome or any receives or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the curposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Mohan S/o Shri Bharat Parkash, 1299, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Tarvinder Kaur W/o Shri Mohinder Singh R/o Rum Gali, Patiala, "My College Bldg".

 (Transferce)
- (3) Shri Bhagwant Swatup Goel, Coo "My College", Arna Barna Chowk, Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the House No. 2477/1, Ram Gali, near Sewa Samiu School, Pariala

(The property as mentioned in the sale deed No. 5577 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhinna.

Date: 15th Oct, 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. AML/141/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 1, Ward No. 2, Guru Nanak Colony situated at Village Kukar Majra, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Jagat Singh S'o Chet Singh Village & Post Office Bassi Pathanan, Dist. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Tata Singh S/o Shri Natha Singh Junior Translator Punjab Vidhan Sabha, Chandigath. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCIT DO

House No. 1, Ward No. 2 Guru Nanak Coroty (Kirthi Majia), Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the said day, No. 2017 of Feb., 1980 of the Registering Authorny, Valida).

SURFIDEV CHAND.
Connectent Authority
Inspecting Assistant Commissioned of Incornectax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Oct 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CI:NTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. AML/135/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 3 bighas 11 biswas situated at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gulzar Singh S/o Shri Kishna R/o V. Kukar Majia, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Ambe Industries, Mandi Gobindgarh through Shri Subhash Kumar S/o Shri Sarup Chand, R/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala C/o Dharam Steel Industries, Mandi Gobindgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land measuring 3 bighas 11 biswas at Kukar Majra, S. Teh. Amloh (The property as mentioned in the sale deed No. 1894 of February 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10 1980

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Mahesh Inder Singh S/o Shri Dalip Singh Distt. & Sessions Judge (Retd.) Lehal, Patiala. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdial Singh S/o Shri Lal Singh, R/o Bhatnura, Teh. & Distt. Jullundur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. PTA/421/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of Kothi No. 2040/5 situated at Rajvaha Road, Lehal, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi No. 2040/5, Rajvaha Road, Lehal, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6050 of February 1980 of the Registering Authority, Patiala).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-10-1980

 Smt. Narajan Kaur Wd/o Shri Dalip Singh, Ex-Session Judge Lehal, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdial Singh S/o Shri Lal Singh, R/o Village Bhatnura, Teh. & Distt. Jullundur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

SIONER OF INCOME-TAX,

Ref. No. PIA/422/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 2040/5, situated at Rajwaha Road, Iehal, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in February 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A:t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellow-

ing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 2040/5, Rajwaha Road, Lehal, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6051 of February 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CFNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. 92/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Sec-

tion 209 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 Kanals 10 Marlas situated at V. Lohgarh, S. Teh, Dera Bassi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fain market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24--326GI/80

(1) Sh. Vujay Nagpal S/o Sh. Girdhari Lal Nagpal & Neena D/o Sh. Girdhari Lal and Smt. Sushma W/o Sh. J. P. Gulati & Smt. Parmeshwari W/o Sh. Girdhari Lal and Smt. Urmal Nagpal W/o Sh. Vipan Chander Nagpal through their General Power of Attorney Sh. Vijay Nagpal S/o Shri Girdhari Lal Nagpal, R/o 3140, Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Raj Rani Chandok W/o Shri Kuldip Rai Chandok, Miss Poonam Chandok & Miss Pallavi Chandok Ds/o Shri Kuldip Rai Chandok, residents of House No. 2217, Sec. 15C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Kanals 10 Marlas at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1082 of February 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Luchiana, the 15th October 1980

Rct No AML/137/79 80—Whereas I, SUKHDLY CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Land measuring 3 bighas 10 biswas situated at Village Kukar Majra, S Teh Amloh, Distt Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gulzar Singh S/o Shii Kishna R/o V Kukar Majra, PO Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

Transferor

(2) M/s Buta Industries through Shii Jogander Pal S/o Shri Sohan I al, Mandi Gobindgarh (neai Dhaiam Steel Industries)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

l and measuring 3 bighas 10 biswas at V Kukar Majra, s Ich Amloh

(The property as mentioned in the sale deed No 1967 of February 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authorit
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-10-1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA
CFNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/588/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Lix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6/10th share in House No. B-12-488, situated at Jail Road, near Field Ganj, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Darshan Lal, Sat Pal Ss/o Shri Lakhmi Dass R o House No. 85, Shiv Puri, Pahar Ganj, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Bakhtawar Singh S/o Shri Waryam Singh R/o House No. B-12-660, Nr. Div No. 2, 1 udhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/10th share in H. No. B-12-488, Jail Road, near Field Ganj, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5155 of February 1980 of the Registering Authority, Ludbiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/589/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/10th share in House No. B-12-488, situated at Jail Road, near Field Ganj, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(1) Smt. Kesran Devi Wd/o Sh. Lakhmi Dass & Smt. Sumitra Devi D/o Sh. Lakhmi Dass & Shri Buta Ram S/o Sh. Lakhmi Dass residents of C-243, Vivek Vihar, Delhi-32,

(Transferor)

(2) Shrimati Krushalya Devi W/o Shri Bakhtawar Singh, R/o B-12-660, Near Division No. 2, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explaces later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 4/10th share in H. No. B-12-488, Jail Road, near Field Ganj, Ludhiana.

(The property as mentioned in the deed No. 5156 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BWN/27 79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 23 highas 12 biswas situated at Chano. S. Tehsil Bhawanigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawanigath in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pawan Kumar S/o Shri Gandhi Ram. Managing Director, Punjab Breweries & Distilleries Private Limited, Chano, Head Office 5058/5, Sardha Niwas, Ajit Nagar, Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Punjab Engineers Cutting Tools Limited. Regd. Office, SCO 54-56. Sector 17A, Chandigarh. No. 5A, Dhillon Marg Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 bighas 12 biswas at V. Chano, S. Teh. Bhawanigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1221 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhawanigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGF, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/570/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property situated at Jammu Colony, Ludhiana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pritam Singh S/o Sh, Puran Singh through Shri Amar Singh S/o Shri Dhanna Singh, resident of Raikot, Distt, Ludhiana.

(Transfe101)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Mehar Singh, R/o House No. 2578/12, Gali No. 10, Jammu Colony, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Jammu Colony, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 4948 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tip
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Indhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/599/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

House Property No. B-XX-1119/6, situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the sair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pal Singh S/o Shri Mal Singh, House No. B-XX-1119/6, Gurdev Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Dalip Singh S/o Shri Chanan Singh, Village Khilpura, Tehsil Ludhiana. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. B-XX-1119/6, Gurdev Nager, Ludhiana).

(The property as mentioned in the sale deed No. 5272 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA XACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. RPN/28/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 183 bighas 2 biswas situated at Village Kharota, Teh. Roop Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropat in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

90, Sector 8A, Chandigarh. through Sh. Ram Dass S/o Sh. kundan Lal 90, 8A, Chandigarh. (Transferor)

(1) Shri Satinder Singh S/o Sh, Umrao Singh,

(2) S. Shii Chianji & Saiup Sons of Shri Hari Ram R/o Bara Pind, S/Sh. Talok Singh & Ranjit Singh Ss/o Norata Singh V. Bara Pind, S/Shri Darshan Singh & Pal Singh Ss/o Sh. Santokh Singh R/o Bara Pind, S/Sh. Baldev Singh, Balbir Singh & Balwinder Singh Sons of Shri Inder Singh, V Bara Pind, Tch. Roop Nagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 183 bighas 2 biswas at V. Kharota, Teh Roop Nagar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3089 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Roop Nagar/Ropar).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Seal:

Date: 15-10-1980

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/618/79-80,-Whitreas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1 share in House No. B-16-1345/A, situated at Mohalla Preet Nagar, Link Road, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--25—326GI]80

(1) 1. Shri Arjan Singh S/o Sh. Tulsa Singh, R/o Pul Sudhar, Tch. Jagraon, Distt. Ludhiana.

Shri Kehar Singh, Yo Sh. Tulsa Singh, R/o B-16-1185/17, Gali No. 1, Mohalla Preet Nagar, Link Road, Ludhiana.
 Shri Gurdial Singh S/o Sh. Tulsa Singh,

R/o 398 Ward No. 6, New Colony, Thanesar.
4. Sh. Hari Singh S/o Sh. Tulsa Singh,
Kothi No. 4, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Hardit Singh, Amarjit Singh, Manpreet Singh Ss/o Shri Himmat Singh & Smt. Jaswant Kaur W/o S. Himmat Singh, Residents of 422-L, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in House No. B-16-1345/A, Mohalla Preet Nagar, Link Road. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5551 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. LDH/571/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share in House No. B-16-1345/A, situated at Mohalla Preet Nagar, Link Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- Shri Arjan Singh S/o Fulsa Singh, R/o Pul Sudhar, Teh, Jagraon, Distt, Ludhiana.
 Shri Kehar Singh S/o Tulsa Singh R/o B-16-1185/17, Gali No. 1, Mohalla Preet Nagar, Ludhiana.
 - 3. Sh. Gurdhiel Singh S/o Sh. Tulsa Singh, R/o 398, Ward No. 6:, New Colony, Thanesar, Distt. Kurukshetra.
 - 4. Shri Hari Singh S/o Shri Tulsa Singh R/o Kothi No. 4, Sector 21A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Gurdip Singh S/o Shri Nihal Singh & Shri Satinderpal Singh S/o Sh. Mann Singh, R/o 416L, Model Town, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

share in House No. B-16-13457A, Preet Nagar, Link Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4949 of Feb., 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludbiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. BRM/145/79-80.—Wherens I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 15 kanals 12 Marlas situated at Village Handiaya, Teh. Barnala

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnaka in Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nihal Singh S/o Shri Karam Singh, V. Handiaya, Teh. Burnala.

(Transferor)

(2) M/s. Sandeep Poultry Farm, Barnala through Sh. Om Parkash Gupta S/o Sh. Madho Ram.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 K 12 M at V. Handiaya, Teh. Barnala. (The property as mentioned in the sale deed No. 6988 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

I udbiana, the 15th October 1980

Ref. No. PTA/420/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 16 Kanals 13 Marlas situated at Jhill, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narinder Singh S/o Shri Darbara Singh, Power of Attorney of Sh. Darbara Singh, R/o 58A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Haridial Singh S/o Shri Partap Singh, S/Shri Varinder Singh, Ravinder Singh, Narinder Singh, Malvinder Singh, Ss/o Shri Hardial Singh, Residents of Jhill, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 16 Kanals 13 Marlas at Jhill, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6016 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1980

Ref. No. SMN/41A/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Two shops situated at Old Truck Union Road, Samana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in Feb., 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the pantles has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kala Wanti Wd/o Shri Telu Ram & S/Shri Rameshwar Dass & Prem Chand Se/o Sh. Telu Ram resident of Samana.

(Transferor)

(2) Shi mati Kailash Devi W/o Shri Dev Raj, Resident of Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops at Old Truck Union Road, Samana, (The property as mentioned in the Regn, Deed No. 1466 of Feb., 1980 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1980

Ref. No. LDH/596/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

½ share in House No. B-15-564/10, Overlock Road, Ludhiana situated at Overlock Road Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Smt. Purni Devi d/o Shri Tulsi Ram, r/o V. Isanpur now at Dugri Nagar, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh s. o Shri Gurdus Singh, Village Dugri, near Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period sires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notic in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

\$ share in House No. B-15-564/10, Overlock Road. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3229 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1980